हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - CTHIN/25/A0716

मूक पत्रिका

निष्पक्ष, निर्भीक, स्वतंत्र आवाज...

वर्ष - 02 अंक - 193 बेमेतरा, शनिवार 07 मार्च 2026 रायपुर एवं बेमेतरा से प्रकाशित कुल पेज - 08 मूल्य - 5 रूपये डाक पंजीयन- दुर्ग/1743290201/2025-27

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में रायपुर में आयोजित होगा 'लखपति दीदी संवाद' कार्यक्रम

रायपुर। प्रदेश में खेलों को बढ़ावा देने और जनजातीय अंचलों की प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच प्रदान करने के उद्देश्य से 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स छत्तीसगढ़-2026' का आयोजन 25 मार्च से 06 अप्रैल 2026 तक किया जाएगा। इस प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर, सरगुजा और बस्तर के खेल मैदानों में होगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मंत्रालय महानदी भवन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग की समीक्षा बैठक लेकर इस महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों की विस्तृत जानकारी ली।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि युवा ही देश और प्रदेश का भविष्य हैं। राज्य सरकार शिक्षा, रोजगार, कौशल विकास और खेल सहित हर क्षेत्र में युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 न केवल वनांचल के खिलाड़ियों की प्रतिभाओं को पहचान देने का मंच बनेगा, बल्कि उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी सिद्ध होगा। बैठक में मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ क्रीड़ा प्रोत्साहन योजना, प्रदेश में खेल अधोसंरचनाओं की स्वीकृति एवं निर्माण, खेलो इंडिया की केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन, खेल अकादमियों की गतिविधियों, खेल अलंकरण, युवा महोत्सव और आगामी कार्ययोजना की भी समीक्षा की। उन्होंने विगत वर्षों में स्वीकृत वृहद एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर की खेल अधोसंरचना परियोजनाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किए जाएं और निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा प्रथम 'खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स' की मेजबानी छत्तीसगढ़ को प्रदान की गई है। इस आयोजन में कुल 7 प्रतिस्पर्धात्मक और 2 प्रदर्शनात्मक खेल आयोजित किए जाएंगे। रायपुर में तीरंदाजी, फुटबॉल, हॉकी, वेटलिफ्टिंग, स्वीमिंग और कबड्डी (डेमो), सरगुजा में कुश्ती एवं मलखम्ब (डेमो) तथा बस्तर में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इस प्रतियोगिता में देश के लगभग 30 राज्यों से करीब 2500 खिलाड़ी और अधिकारी भाग लेंगे।

मुख्यमंत्री साय ने बैठक में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहन देने की दिशा में राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि खेलो इंडिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। साथ ही मलखम्ब खिलाड़ियों को एक लाख रुपये की विशेष प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी तथा अमेरिका गॉट टैलेंट में चयनित मलखम्ब खिलाड़ी अनतई पोटाई के अमेरिका आने-जाने का पूरा व्यय राज्य सरकार वहन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर ओलंपिक में एक लाख 65 हजार से अधिक युवाओं की सहभागिता इस बात का प्रमाण है कि छत्तीसगढ़ नक्सलवाद से मुक्त होकर शांति, विकास और सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जनजातीय अंचलों में खेल प्रतिभाओं की अपार संभावनाएं हैं और राज्य सरकार इन प्रतिभाओं को पहचानकर उन्हें आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। समीक्षा बैठक में उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि आने वाले समय में बस्तर और सरगुजा अंचल में भी ओलंपिक स्तर के खेल आयोजनों के माध्यम से राज्य की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगी।

किसानों का जोखिम कम करने, आय बढ़ाने के लिए किये गये पहल के दिख रहे हैं परिणाम : पीएम मोदी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार ने किसानों का जोखिम कम करने और उनकी आय बढ़ाने के लिए जो पहल किये हैं उनके परिणाम दिख रहे हैं।

मोदी ने बजट के पश्चात राष्ट्रीय वेबीनार की श्रृंखला में शुक्रवार को तीसरी वेबीनार का उद्घाटन करते हुए कहा कि करीब 10 करोड़ किसानों को चार लाख करोड़ रुपये से अधिक की पीएम किसान सम्मान निधि मिली है। दिन भर के इस वेबीनार का विषय 'कृषि और ग्रामीण क्षेत्र' में बदलाव है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में हुए सुधारों से अब किसानों को उनकी उपज पर डेढ़ गुना तक प्रतिफल मिल रहा है। किसानों को अब तीन चौथाई कर्ज संस्थागत क्षेत्र से मिल रही है। प्रधानमंत्री ने कहा, संस्थागत

क्रेडिट कवरेज 75 प्रतिशत से अधिक हो चुका है। उन्होंने कहा कि पीएम फसल बीमा योजना के तहत लगभग दो लाख करोड़ रुपये के दावों के समाधान किए गए हैं।

मोदी ने कहा, ऐसे अनेक प्रयासों से किसानों का जोखिम बहुत कम हुआ है और उन्हें एक बुनियादी आर्थिक सुरक्षा मिली है। हम फसल विविधता पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। खाद्य तेल और दलहन पर राष्ट्रीय मिशन और प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन, दोनों ही कृषि क्षेत्र को मजबूत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज भारत विश्व का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश है। उन्होंने कहा कि इस प्रगति को और आगे ले जाने के लिए हमें वैज्ञानिक प्रबंधन पर ध्यान केंद्रित करना होगा। श्री मोदी ने कहा कि पशुधन का स्वास्थ्य भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। भारत अब टीकों के उत्पादन में आत्मनिर्भर हो चुका है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका (फुट एंड माउथ) रोग से बचाने के लिए अब तक 125 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं। मोदी ने कहा कि ये टेक्नोलॉजी की सदी है, और सरकार का बहुत जोर कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी संस्कृति लाने पर भी है। प्रधानमंत्री ने वेबिनार में शामिल लोगों से भारतीय कृषि के भविष्य के बारे में सोने और योजनाओं के क्रियान्वयन को कारगर बनाने की अपील की। उन्होंने कहा, दुनिया स्वास्थ्य के संबंध में ज्यादा सतर्क है। समग्र स्वास्थ्य और उसमें ऑर्गेनिक भोजन पर बहुत रुचि है। भारत में हमें रसायनिक मुक्त खेती पर बल देना ही होगा, प्राकृतिक खेती पर बल देना होगा। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक खेती से रसायनिक मुक्त उत्पाद से दुनिया के बाजार तक पहुंचने में हमारे लिए एक राजमार्ग बन जाता है। उसके लिए प्रमाणन और प्रयोगशाला की व्यवस्था करने के बारे में सरकार सोच रही है।

अमेरिका ने भारत को रूस से तेल खरीद में दी अस्थायी छूट

वाशिंगटन/नयी दिल्ली। अमेरिकी ट्रंप प्रशासन ने विशेष रूप से भारत के लिए अपने प्रतिबंधों में ढील देते हुए उसे 30 दिन तक रूस से कच्चा तेल और पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने की छूट दी है हालांकि यह छूट समुद्र में तेल वाहक जहाजों में पहले से लदे तेल के लिए ही है।अमेरिका ने किसी भी देश के रूस से कच्चा तेल और दूसरे पेट्रोलियम उत्पाद खरीदने पर एकतरफा प्रतिबंध लगाया हुआ है। उसका कहना था कि रूस कच्चे तेल की बिक्री से प्राप्त पैसे का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ युद्ध के वित्त पोषण के लिए कर रहा है। यहां तक कि रूस से कच्चे तेल की खरीद जारी रखने के लिए उसने अगस्त 2025 में भारत पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक आयात शुल्क भी लगाया था जिसे इस साल फरवरी के पहले सप्ताह में हटा लिया गया था। उस समय अमेरिका ने कहा

था कि भारत ने रूस से तेल खरीदना बंद कर दिया है, हालांकि भारत सरकार ने अमेरिका के इस दावे को कभी स्वीकार नहीं किया और कहा कि भारत अपने हितों के अनुरूप तेल की खरीद जारी रखेगा। अमेरिका ने पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच गुरुवार को भारत को 30 दिन के लिए विशेष छूट देने की घोषणा की और कहा कि इसका उद्देश्य वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की आपूर्ति बाधित करने के ईरान के प्रयासों को विफल करना है।

अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि वैश्विक बाजार में कच्चे तेल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए वित्त विभाग ने भारतीय तेल रिफाइनरियों को 30 दिन के लिए (04 अप्रैल तक) रूस से कच्चा तेल खरीदने की छूट दे रहा है उन्होंने लिखा, सोझ-समझकर दी गयी।

इस कुछ दिन की छूट से रूस की सरकार को बहुत ज्यादा वित्तीय लाभ नहीं होगा क्योंकि यह सिर्फ समुद्र में फंसे (तेल वाहक जहाजों में लदे) तेल की खरीद के लिए है।

विश्लेषकों का कहना है कि हिंद महासागर में इस समय अमेरिकी छूट के तहत आने वाला दो करोड़ बैरल कच्चा तेल उपलब्ध है जो भारत के चार दिन के औसत खरीद के बराबर है। भारत हर दिन औसतन 50 लाख बैरल कच्चे तेल का आयात करता है।

खबर संक्षेप

हिज़्बुल्लाह लेबनान की सीमा से सटे क्षेत्रों में रहने वाले इज़रायली लोगों से घरों को खाली कर कहीं अन्य स्थान पर चले जाने को कहा

बेरुत। हिज़्बुल्लाह ने लेबनान की सीमा से लगे पांच किलोमीटर के दायरे में रहने वाले इजरायल के नागरिकों को शहरों को छोड़कर किसी दूसरे स्थान पर चले जाने के लिए कहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार हिज़्बुल्लाह ने यह चेतावनी शुक्रवार सुबह हिब्रू में अपने टेलीग्राम चैनल पर एक संदेश साझा करके दी। हिज़्बुल्लाह ने कहा, लेबनान की आज़ादी और सुरक्षित नागरिकों के खिलाफ आपकी सेना का हमला, नागरिक बुनियादी ढांचा को नुकसान पहुंचाना और लोगों से घरों को खाली करवाने का अभियान चलाने की गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उसे बिना चुनौती दिए नहीं छोड़ा जाएगा। उधर, इज़रायली सेना ने गुरुवार देर शाम लेबनान पर हमला शुरू किया और इसके बाद लोगों को बेरूत के दक्षिणी इलाकों से निकलने के लिए कहा गया, जो हिज़्बुल्लाह का गढ़ है।

शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1,097 अंक लुढ़का

मुंबई। पश्चिम एशिया में जारी संकट के बीच घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को बड़ी गिरावट देखी गयी और बीएसई का सेंसेक्स 1,097 अंक (1.37 प्रतिशत) टूटकर 10 महीने से ज्यादा के निचले स्तर 78,918.90 अंक पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 315.45 अंक यानी 1.27 प्रतिशत गिरकर 24,450.45 अंक पर आ गया जो इसका छह महीने से अधिक का निचला स्तर है। लगातार पांच कारोबारी दिवस में यह शेयर बाजार में चौथी बड़ी गिरावट है। गुरुवार को बाजार में तेजी रही थी। मझौली और छोटी कंपनियों पर आज दबाव कम रहा। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.86 प्रतिशत गिर गया।

ईरान के सर्वोच्च नेता के चयन में मेरी भागीदारी होनी चाहिए : ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान के अगले सर्वोच्च नेता के चयन में उनकी व्यक्तिगत भागीदारी होनी चाहिए। अमेरिकी समाचार वेबसाइट 'एक्सियोस' को गुरुवार को दिये एक टेलीफोन साक्षात्कार में ट्रंप ने कहा कि दिवंगत ईरानी सर्वोच्च नेता अली खामेनेई के बेटे मोजतबा खामेनेई का ईरान का नया नेता बनना 'अस्वीकार्य' है। उन्होंने कहा, इस नियुक्ति में मेरी भागीदारी होनी ही चाहिए। खामेनेई का बेटा मुझे मंजूर नहीं है।

इसके साथ ही ट्रंप ने चेतावनी दी कि यदि ईरान किसी ऐसे नए नेता का चयन करता है जो 'खामेनेई की नीतियों को ही

जारी रखता है', तो अमेरिका को 'अगले पांच वर्षों के भीतर' फिर से युद्ध के मैदान में उतरने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

इससे पहले ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त-रवांची ने मीडिया को बताया था कि हाल ही में अमेरिकी-इजरायली हमलों में खामेनेई की मृत्यु के बाद, ईरान ने एक तीन सदस्यीय अंतरिम नेतृत्व परिषद का गठन किया है।

यह परिषद नया सर्वोच्च नेता चुने जाने तक देश के कामकाज संभालेगी। ईरान के सरकारी प्रसारक 'आईआरआईबी टीवी' ने बुधवार को कहा था कि सर्वोच्च नेता के पद के लिए कई काबिल लोगों का चयन कर लिया गया है और जल्द ही आधिकारिक तौर पर उनके नामों को मंजूरी दी जायेगी।

वायु सेना के सुखोई विमान दुर्घटना में दोनों पायलटो की मौत

नयी दिल्ली। वायु सेना का लड़ाकू विमान सुखोई 30 गुरुवार को असम के कार्बी आंगलोंग इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया और इसमें सवार दोनों पायलटो की मौत हो गई है। वायु सेना के प्रवक्ता ने शुक्रवार सुबह विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना में विमान के दोनों पायलटो स्क्वाड्रन लीडर अनुज और फ्लाइट लेफ्टिनेंट प्रवेश दुर्गाकर की मौत हो गयी है। प्रवक्ता ने कहा कि वायु सेना दुख और संकट की इस घड़ी में पीड़ित परिवारों के प्रति शोक और संवेदना व्यक्त करती है। उन्होंने कहा कि दुर्घटना जोरहाट से 60 किलोमीटर दूर हुई। दुर्घटना के तुरंत बाद से वायु सेना की ओर से व्यापक बचाव अभियान चलाया जा रहा है।

नेपाल में बालेन के पक्ष में चल रही आंधी, विपक्ष कर रहा है कुछ सीटों के लिए संघर्ष

काठमांडू। नेपाल में पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने और जेन जी आंदोलन से चर्चित हुए बालेंद्र शाह (बालेन) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) भारी बहुमत की तरफ बढ़ती दिख रही है। नेपाल चुनाव आयोग की वेबसाइट के अनुसार जिन 165 सीटों पर चुनाव हुए हैं उनमें से अब तक 150 संसदीय क्षेत्र के नतीजे एवं रुझान सामने आये हैं, इनमें से आरएसपी 106 सीटों पर वह आगे चल रही है और दो सीटें जीत चुकी है। नेपाली कांग्रेस पार्टी 9 सीटों पर आगे चल रही है और दो सीट जीत चुकी है। इसके अलावा नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) 10 सीटों पर आगे चल रही है जबकि नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी 7 सीटों पर आगे चल रही है और एक सीट जीत चुकी है। झापा-5 सीट से पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से आमने-सामने की लड़ाई में आरएसपी नेता श्री बालेन बाजी मारते दिख रहे हैं। उन्होंने सीपीएन-यूएमएल के अध्यक्ष ओली पर करीब छह हजार की बढ़त बना रखी है। शाम छह बजे तक श्री बालेन को 10190 वोट मिले थे, जबकि ओली को 4,087 वोट मिले थे। बालेन ने जनवरी 2026 में काठमांडु के महापौर पद से इस्तीफा देकर श्री ओली के खिलाफ मोर्चा खोला था। नेपाल में किसी को भी चुनाव लड़ने के लिए अपने पद से इस्तीफा देना होता है और कोई भी व्यक्ति दो जगह से चुनाव नहीं लड़ सकता है। आरएसपी नेता रवि लामिछाने चितवन-2 से 10,000 से अधिक वोटों की विशाल बढ़त के साथ जीत के करीब हैं। वहीं नेपाली कांग्रेस के नेता में गगन थापा सर्लाही-4 से फिलहाल दूसरे स्थान पर हैं। वहां आरएसपी उम्मीदवार अमरेश कुमार सिंह ने शुरुआती बढ़त बना रखी है।

मोदी की समझौतावादी नीतियों के कारण कमजोर हुई विदेश नीति : खरगे-राहुल

नयी दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे तथा पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर अमेरिकी दबाव में काम करने का आरोप लगाते हुए कहा है कि जिम्मेदार राष्ट्र के रूप में भारत ने अपने फैसले हमेशा खुद लिए हैं लेकिन इधर जिस तरह से अमेरिका के इशारों पर काम हो रहा है उससे लगता है कि हम अपनी कूटनीतिक की गौरवशाली परंपरा को खो रहे हैं। खरगे ने कहा भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय संप्रभुता गंभीर खतरे में है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एपस्टीन फाइल्स और अडानी केस को लेकर ब्लैकमेल किया जा रहा है। रूस से तेल खरीदने की 'अनुमति' देने की अमेरिकी घोषणा, जो कि '30 दिनों की छूट' है, स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि मोदी

सरकार लगातार कूटनीतिक स्वतंत्रता खो रही है। इस तरह की भाषा प्रतिबंधित देशों के लिए इस्तेमाल की जाती है, न कि भारत के लिए, जो वैश्विक व्यवस्था में एक जिम्मेदार और समान भागीदार रहा है। उन्होंने आगे कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान सबसे पहले पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा मोदी के मित्र ट्रम्प ने की, हमने नहीं। उन्होंने कम से कम 100 बार दावा किया है कि सैन्य कार्रवाई उनके कहने पर रोकी गई, प्रधानमंत्री इस पर चुप रहे। उन्होंने भारत को ईरानी तेल न खरीदने के लिए कहा। भारत सरकार मान गई। ट्रम्प ने हमें रूसी तेल न खरीदने के लिए कहा और भारत सरकार ने आयात कम कर दिया। ट्रंप ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा इस शर्त पर आधारित है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा और मोदी ने इस पर मुहर लगा दी।

अब, अमेरिका ने भारत को 'अस्थायी 30 दिन की छूट'दी है और भारतीय रिफाइनरियों को रूसी तेल खरीदने की 'अनुमति' दे दी है। व्यापार से लेकर तेल तक, आंकड़ों से लेकर मित्र देशों के साथ भारत के दीर्घकालिक संबंधों तक, मोदी जी ने सब कुछ त्याग दिया। खरगे ने कहा भारत का अपने भाग्य का निर्धारण स्वयं करने का गौरवशाली इतिहास रहा है। यह अब तक बेदाग रहा है। जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी से लेकर अटल बिहारी वाजपेयी तक- श्री मोदी को छोड़कर किसी भी प्रधानमंत्री ने किसी देश के दबाव में आकर भारत को वस्तुत: एक जागीरदार राज्य नहीं बनाया।'मैं देश नहीं झुकने दूंगा'चुनाव जीतने के लिए सिर्फ एक नारा था और 140 करोड़ भारतीय विश्वासघात का शिकार हुए हैं। गांधी ने कहा भारत की विदेश नीति हमारे लोगों की सामूहिक इच्छा से उत्पन्न होती है। यह हमारे इतिहास, हमारी भौगोलिक स्थिति और सत्य एवं अहिंसा पर आधारित हमारी आध्यात्मिक विचारधारा में निहित होनी चाहिए। आज जो कुछ हम देख रहे हैं, वह कोई नीति नहीं है; बल्कि एक समझौतावादी व्यक्ति के हो रहे शोषण का नतीजा है।। वेणुगोपाल ने कहा, अमृत काल में, भारतीय प्रधानमंत्री को अपनी इच्छानुसार तेल खरीदने के लिए अन्य देशों से भीख मांगनी पड़ती है। रूस जैसे पुराने साझेदार से तेल खरीदने के लिए भी अमेरिका से छूट की आवश्यकता होना भारत की संप्रभुता और अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा के लिए अत्यंत अपमानजनक है।

ब्रेक फेल होते ही पलटी यात्री बस,पांच लोगों की मौत...

रायपुर/ संवाददाता। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले से एक दर्दनाक सड़क हादसे की खबर सामने आई है। शुक्रवार को करडेगा कुनकुरी मार्ग पर एक यात्री बस अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में 5 यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 14 से अधिक लोग घायल बताए जा रहे हैं। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और स्थानीय लोग तुरंत राहत कार्य में जुट गए। मिली जानकारी के अनुसार, यह यात्री बस करडेगा से कुनकुरी की ओर जा रही थी। जैसे ही बस करडेगा चौकी क्षेत्र के गोड़ाअंबा गांव के पास पहुंची, अचानक चालक का नियंत्रण बस पर से हट गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि बस का ब्रेक फेल होने की आशंका जताई जा रही है। नियंत्रण खोने के बाद बस सड़क किनारे बने एक निर्माणाधीन भवन की दीवार से टकरा गई और पलट गई। बस के पलटते ही यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंच गए। हादसे के तुरंत बाद आसपास मौजूद लोगों ने मानवता की मिसाल पेश करते हुए राहत कार्य शुरू कर दिया। उन्होंने बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालने की कोशिश की और तुरंत पुलिस व प्रशासन को सूचना दी। कुछ ही देर में पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई और घायलों को सुरक्षित बाहर निकालने का काम शुरू किया गया। मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर तुरंत एम्बुलेंस सेवा सक्रिय की गई। घटनास्थल पर तीन एम्बुलेंस भेजी गईं, जिनकी मदद से घायलों को नजदीकी अस्पतालों में पहुंचाया गया। घायलों को कुनकुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र और होलीक्रॉस अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही है।

बस्तर की महिलाओं के लिए 'सखी' बनी सुरक्षा का मज़बूत कवच

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष रिपोर्ट

जगदलपुर/मूक पत्रिका

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जहाँ दुनिया भर में महिला सशक्तिकरण की चर्चा हो रही है, वहीं छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले से राहत और स्वावलंबन की एक बेहद सकारात्मक तस्वीर सामने आई है।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जगदलपुर में संचालित 'सखी' वन स्टॉप सेंटर ने संकटग्रस्त महिलाओं को सहायता पहुँचाने के मामले में एक मिसाल कायम की है। योजना के प्रारंभ से लेकर 31 जनवरी 2026 तक के आंकड़े बताते हैं कि यह केंद्र हिंसा और मानसिक प्रताड़ना से जूझ रही महिलाओं के लिए केवल एक कार्यालय नहीं, बल्कि एक सुरक्षित आश्रय और न्याय का केंद्र बनकर उभरा है। अब तक केंद्र में कुल 1862 प्रकरण दर्ज किए जा चुके हैं, जिनमें से 1849 मामलों का सफलतापूर्वक निराकरण कर महिलाओं के जीवन में नई आशा का संचार किया गया है। इस सफलता के पीछे केंद्र द्वारा दी जाने वाली बहुआयामी सहायता का बड़ा हाथ है। आंकड़ों के अनुसार महिलाओं को सबसे अधिक संबल मनोवैज्ञानिक परामर्श (काउंसलिंग के माध्यम से मिला है, जहाँ 1225 महिलाओं को मानसिक तनाव से उबारकर समाज की मुख्यधारा से जोड़ा गया। इसके साथ ही, 763 महिलाओं को संकट के समय सुरक्षित आश्रय प्रदान किया गया, जो उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में मील का पत्थर साबित हुआ। विधिक सहायता के क्षेत्र में भी केंद्र ने सक्रिय भूमिका निभाते हुए 471 महिलाओं को कानूनी न्याय दिलाने में मदद की, जबकि 84 महिलाओं को पुलिस सहायता और 42 महिलाओं को त्वरित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई गई।वर्तमान वर्ष 2026 की शुरुआत भी केंद्र के लिए उतनी ही सक्रिय रही है। अकेले जनवरी माह के दौरान केंद्र में 42 नए मामले सामने आए, जिनमें से 35 प्रकरणों का त्वरित निराकरण सुनिश्चित किया गया। इस एक महीने के भीतर ही 8 महिलाओं को परामर्श और 8 को सुरक्षित आश्रय दिया गया, जबकि 4 महिलाओं को कानूनी सहायता प्रदान कर उन्हें न्याय की राह दिखाई गई। यह केंद्र आज बस्तर की महिलाओं के लिए एक ऐसी सखी की भूमिका निभा रहा है, जो कठिन समय में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर यह रिपोर्ट न केवल विभाग की सजगता को दर्शाती है, बल्कि बस्तर की उन तमाम महिलाओं के साहस को भी सलाम करती है जिन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाकर 'सखी' का हाथ थामा।3

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत ऑनलाइन आवेदन 31 मार्च तक

जरूरतमंद और पात्र छात्रों को नर्सरी से बारहवीं तक मिलेगा नि:शुल्क शिक्षा

प्राइवेट स्कूलों के कक्षाओं में 25% सीट आरक्षित

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) के तहत छत्तीसगढ़ के सभी गैर अनुदान प्राप्त और गैर अल्पसंख्यक प्राइवेट स्कूलों के प्रारंभिक कक्षाओं में 25त्न सीट दुर्बल और असुविधाग्रस्त परिवार के बच्चों के लिए आरक्षित होता है। जरूरतमंद और पात्र छात्रों को नर्सरी से क्लास - बारहवीं तक निःशुल्क शिक्षा दिया जाता है इसके लिए ऑनलाइन आवेदन 31 मार्च 2026 तक जमा किये जा सकते है, जिसका वेबसाईट आरटीई डॉट सीजी डॉट एन आई सी डॉट इन https://rte.cg.nic.in/ है। इस अधिनियम के तहत 3 से 6ड्ड वर्ष तक के बच्चे किसी भी प्राइवेट स्कूल के प्रारंभिक कक्षा मे प्रवेश ले सकते है। आवेदन पत्र ऑनलाइन भरने के लिए पासपोर्ट फोटो, आधार कार्ड, जाति, निवास जैसे कई दस्तावेज पालक की होनी चाहिए। उल्लेखनीय है कि भारतीय संसद द्वारा 4 अगस्त 2009 को पारित किया गया था तथा 1 अप्रैल 2010 से प्रभावी हुआ। छत्तीसगढ़ मे आरटीई 12(1)(सी) योजना का लाभ सत्र 2010-11 से दिया जा रहा है। पूर्व मे अधिनियम का लाभ कक्षा ङ्क आठवीं तक ही दिया जाता था, परन्तु अब इसमे (छ. ग. राज्य स्तर पर) संसोधन कर सत्र 2019 मे इसकी मान्यता बढ़ाकर क्लास ङ्क बारहवीं तक कर दी गयी है। अब तक छत्तीसगढ़ मे लगभग 2.9 लाख छात्र इस योजना का लाभ ले रहे है। इसका मुख्य उद्देश्य समाज मे सभी वर्ग के लोगो के मध्य सामाजिक समावेशन अर्थात सामाजिक समानता लाना, और सभी समूहों को मूल्यवान और महत्वपूर्ण महसूस करना है, ताकि विभिन्न प्रकार से किए जाने वाले भेदभव को हटाया जा सके।

इंजराम में सीआरपीएफ219 बटालियन द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन

कोंटा/मूक पत्रिका

सीआरपीएफ के 87वें स्थापना दिवस के अवसर पर 219 बटालियन सीआरपीएफ द्वारा सामाजिक सरोकारों एवं मानवता की सेवा के उद्देश्य से विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में शुक्रवार 6 मार्च 2026 को 219 बटालियन के मुख्यालय इंजराम में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर डीआईजी (पी) कोंटा रेंज राजेश पांडे के मार्गदर्शन तथा 219 बटालियन के कमांडेंट पार्थ सारथी घोष के निर्देशन में आयोजित किया गया। इस अवसर पर द्वितीय कमान अधिकारी अनुराग राज, सहायक कमांडेंट कानाराम चौधरी एवं वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/उप कमांडेंट डॉ. मोहम्मद इब्राहिम उपस्थित रहे। रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराना तथा आमजन और जवानों में रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में बटालियन के अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों और जवानों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और बड़ी संख्या में स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया।शिविर के दौरान डॉ. मोहम्मद इब्राहिम एवं उनकी चिकित्सा टीम द्वारा सभी रक्तदाताओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और सुरक्षित रक्तदान से संबंधित आवश्यक जानकारी भी दी गई। रक्त संग्रहण की पूरी प्रक्रिया स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप सुरक्षित तरीके से संपन्न कराई गई।इस अवसर पर कमांडेंट पार्थ सारथी घोष ने कहा कि रक्तदान एक महान और पुनीत कार्य है, जिससे किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि सीआरपीएफ केवल देश की आंतरिक सुरक्षा के लिए ही नहीं, बल्कि समाज सेवा और मानवता की भलाई के कार्यों में भी सदैव अग्रणी भूमिका निभाती रही है। कार्यक्रम के अंत में रक्तदान करने वाले सभी कर्मियों का आभार व्यक्त किया गया और उन्हें प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

इंजरम में CRPF का सिविक एक्शन कार्यक्रम, लगभग 300 ग्रामीणों को सामग्री वितरित

सुकमा/मूक पत्रिका

जिले के कोंटा ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत इंजरम में सीआरपीएफ 228वीं वाहिनी द्वारा सिविक एक्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम कमांडेंट लतीफ कुमार साहू के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में इंजरम, फंदीगुड़ा, इरपागुड़ा, आर्सिगुड़ा, डोंड्रा, चिकलगुड़ा और भोगड़गुड़ा गांव के ग्रामीण शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों और बच्चों को उनकी जरूरत के अनुसार केबल, साड़ी, लुंगी, चप्पल तथा खेल सामग्री जैसे क्रिकेट बैट, फुटबॉल, वॉलीबॉल आदि सामान वितरित किए गए। कार्यक्रम में लगभग 300 ग्रामीणों को लाभ मिला तथा अंत में सभी ग्रामीणों के लिए भोजन की व्यवस्था भी की गई।इस अवसर पर कमांडेंट लतीफ कुमार साहू (228 बटालियन), द्वितीय कमान अधिकारी जे. डेनियल, सहायक कमांडेंट एम. ओ. खत्री (50 बटालियन), संदीप साल्या (उप कमांडेंट 228 बटालियन), सुबोध कुमार (उप कमांडेंट 228 बटालियन), डॉ. नीरज कुमार सिंह (चिकित्सा अधिकारी, 50 बटालियन) तथा एफ/228 के कमान अधिकारी निरीक्षक राजेश ठाकुर उपस्थित रहे। इसके अलावा इंजरम सरपंच राजा राव, जनपद सदस्य सविता पंडा, जिला पंचायत सदस्य सहित विभिन्न गांवों के ग्रामीण भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

निरीक्षक वाष्पयन्त्र परीक्षा-2024 के संबंध में छपी खबर को राज्य लोक सेवा आयोग ने बताया भ्रामक

पत्र जारी कर आयोग ने कहा, कांट के आदेश अनुरूप होगा प्रक्रिया

सारंगढ़ बिलाईगढ/मूक पत्रिका

सीजी पीएससी ने पत्र जारी किया है जिसमें कहा है कि, विभिन्न समाचार पत्रों में निरीक्षक वाष्पयन्त्र परीक्षा-2024 की चयन प्रि या के सन्दर्भ चयनित अभ्यर्थी के चयन को त्रुटिपूर्ण बताते हुए, छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग के माननीय सदस्यों के नाम के साथ भ्रामक जानकारी प्रसारित कर आयोग की चयन प्रि या पर प्रश्नचिन्ह लगाने का प्रयास किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग यह स्पष्ट करना चाहता है कि निरीक्षक वाष्पयन्त्र परीक्षा-2024 सहित समस्त विज्ञापनों से संबंधित चयन प्रि या निष्पक्ष तथा त्रुटिरहित कराने के लिए आयोग प्रतिबद्ध है। दस्तावेज सत्यापन के समय प्रचलित नियमों के अनुसार ही सभी अभ्यर्थियों की अधिकतम आयु सीमा सम्बन्धी अर्हता निर्धारण तथा चयने की कार्यवाही की गई है। निरीक्ष वाष्पयन्त्र परीक्षा-2024 पद पर प्रथम चयनित अभ्यर्थी, किसी भी माननीय सदस्य के रिश्तेदार नहीं हैं फिर भी इस सन्दर्भ में गलत जानकारी प्रसारित करते हुए आयोग की चयन प्रि या को दूषित बताया जाना दुर्भाग्यपूर्ण है। इस चयन प्रि या के सन्दर्भ में आयोग द्वारा माननीय उच्च न्यायालय में प्रस्तुत वाद से सम्बंधित आदेशों के अनुरूप आगामी कार्यवाही एवं प्रि या सुनिश्चित की जाएगी।

8 मार्च को होगी मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग के भर्ती की लिखित परीक्षा

सारंगढ़-बिलाईगढ. राज्य के मुद्रण तथा लेखन सामग्री विभाग के विभिन्न पदों की भर्ती का लिखित परीक्षा 8 मार्च रविवार को निर्धारित है। संबंधित अभ्यर्थी सीजी व्यापम की वेबसाईट से प्रवेश पत्र डाऊनलोड कर सकते हैं।

गलत इंजेक्शन से 8 साल के बच्चे की मौत, कलेक्टर ने दिए जांच के आदेश, बच्चे को रात में ईलाज के लिए माँ महामाया हॉस्पिटल हसौद में किया गया था भर्ती

सक्ती/हसौद/मूक पत्रिका

सक्ती जिले के हसौद में गलत इलाज व इंजेक्शन लगाने से 8 वर्षीय करण यादव की मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह करीब 3 बजे की है ,जानकारी के अनुसार हसौद निवासी रामरतन यादव के बेटे करण को सोमवार रात में करीब 8 बजे पेट में तेज दर्द हुआ।

दर्द होने के बाद दवाई खिलाने के बाद उसे हसौद के निजी अस्पताल माँ महामाया में लेकर पहुंचे, वहाँ पहुंचने के बाद रात में उसे इलाज के लिए भर्ती किया गया था और करीब चार से पांच घण्टे के बीच वहाँ भर्ती कर अस्पताल में ईलाज किया गया जिसके बाद उसकी अस्पताल में ही मौत हो गई थी मगर अस्पताल पर किसी भी तरह की आंच न आए और न किसी को भनक लगे सोंचकर अस्पताल से बच्चे की हालात गंभीर है करके रेफर करने का प्रयास किया गया , परिजनों को कुछ समझ मे नहीं आया और आखिरकार बच्चे के शव को घर लेकर परिजन गए जिसके बाद आसपास के लोगों को जानकारी हुई तब धीरे धीरे घटना पूरे क्षेत्र में आग की तरह फैल गई और इसकी जानकारी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से लेकर कलेक्टर को दी गई , जिसके बाद जांच के लिए हसौद तहसीलदार , बीएमओ जैजैपुर , हसौद थाना प्रभारी परिजन के घर पहुंचे और जांच शुरू की उसके बाद डभरा एसडीओपी भी पहुंचे जिसके बाद परिजनों से पूछताछ कर पंचनामा किया गया और शव को पीएम के लिए भेजा गया साथ ही इस पूरे मामले पर पीएम के बाद कलेक्टर ने जांच टीम गठित की है , जांच टीम द्वारा जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बच्चे के मौत के बाद शव पर होता रहा राजनीति ,जांच करने पहुंचे अधिकारी करते रहे लीपापोती

इस घटना के बाद बच्चे का शव घर में था , घटना की जानकारी के बाद जैजैपुर बीएमओ , हसौद तहसीलदार व पुलिस की टीम पहुंची हुई थी , मगर कई घंटों तक लीपापोती का प्रयास चल रहा था , कलेक्टर के संज्ञान में आने के बाद सही तरीके से जांच कर कार्रवाई करने के आदेश के बाद जांच टीम द्वारा पंचनामा तैयार कर शव को पीएम के लिए भेजा गया और पीएम के बाद आगे जांच की बाद कही गई है , मगर सबसे बड़ा सवाल है कि आज घटना के बाद अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई तो दूर उस अस्पताल में जांच टीम झांकने तक नहीं गई , जिससे तरह तरह के सवाल उठ रहे थे , माँ महामाया अस्पताल हसौद की अगर बात की जाए तो वहां आए दिन कुछ न कुछ घटना होती रहती है साथ ही उस अस्पताल में कोई भी डिग्रीधारी डॉक्टर नहीं रहते और न ही उस अस्पताल की लाइसेंस है , यहाँ तक कि वहाँ 12 वीं पास छात्र काम करते हैं उसके बावजूद भी स्वास्थ्य विभाग अस्पताल पर मेहरबान है और कार्रवाई के बजाय चुप्पी साधे बैठे हैं।

कलेक्टर ने जांच के लिए किए टीम गठित

घटना पर जिलाधिकारी अमृत विकास तोपनो ने संज्ञान लिया है। उन्होंने जांच टीम को मामले की जांच कर दोषियों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।साथ ही, अस्पताल की कानूनी वैधता, संचालक और डॉक्टर की चिकित्सीय योग्यता या लाइसेंस स्थिति की जांच कर नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई के आदेश भी दिए गए हैं।

जानकारी मिली है जांच के निर्देश दिए गए हैं जांच टीम भी गठित की गई है।

अमृत विकास तोपनो
सक्ती कलेक्टर

हमारे यहां कोई इलाज नहीं किया गया है।

नारायण साहू
संचालक महामाया हॉस्पिटल

रोज़वुड रेजिडेंशियल वेलफेयर सोसाइटी में धूमधाम से मनाया गया होली महोत्सव

होली प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक – अध्यक्ष श्री लक्ष्मीकांत कोसरिया

रायपुर/मूक पत्रिका

रोज़वुड रेजिडेंशियल वेलफेयर सोसाइटी में इस वर्ष होली का पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह और पारिवारिक वातावरण के साथ धूमधाम से मनाया गया। सोसाइटी के सभी कॉलोनीवासियों की सक्रिय भागीदारी से यह आयोजन अत्यंत सफल और यादगार बन गया। कार्यक्रम की शुरुआत 2 मार्च की रात्रि लगभग 1:30 बजे होलिका दहन के साथ हुई, जिसमें कॉलोनी के बड़ी संख्या में निवासी उपस्थित रहे। सभी ने पारंपरिक विधि-विधान से होलिका दहन कर सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात 4 मार्च को रोज़वुड गार्डन में सुबह 09 बजे से रंगोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें कॉलोनीवासी अपने परिवार सहित शामिल हुए। इस अवसर पर सोसाइटी की ओर से सभी के लिए विभिन्न रंगों और गुलाल की व्यवस्था की गई थी। साथ ही सभी के लिए स्वादिष्ट व्यंजन तथा पीने के लिए ठंडाई आदि की उत्तम व्यवस्था की गई, जिसका सभी ने भरपूर आनंद लिया। इस वर्ष कार्यक्रम का विशेष आकर्षण स्विमिंग पूल की व्यवस्था रही, जिसमें बच्चों, महिलाओं और पुरुषों सभी ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रंगों के इस त्योहार को आनंद और उमंग के साथ मनाया। इस सामूहिक आयोजन ने कॉलोनी में आपसी भाईचारे, प्रेम और एकता की भावना को और अधिक मजबूत किया। इस अवसर पर सोसाइटी के अध्यक्ष श्री लक्ष्मीकांत कोसरिया ने अपने संदेश में कहा कि होली का त्योहार आपसी प्रेम, सौहार्द और एकता का प्रतीक है। ऐसे सामूहिक आयोजन समाज को एकजुट करते हैं और परिवार जैसी भावना को मजबूत बनाते हैं। हम सभी कॉलोनीवासियों के सहयोग, उत्साह और सहभागिता के लिए हृदय से आभारी हैं। आशा है कि भविष्य में भी इसी प्रकार सभी का सहयोग और स्नेह मिलता रहेगा, जिससे हमारी सोसाइटी निरंतर प्रगति और आपसी सद्भाव के साथ आगे बढ़ती रहे।ग्रीन्स विले सोसाइटी के संगठन सचिव एवं रोज़वुड सोसाइटी के कार्यकारी अध्यक्ष श्री राकेश दास वैष्णव ने कहा कि इस प्रकार के सामूहिक सांस्कृतिक आयोजन कॉलोनीवासियों को एक-दूसरे के और करीब लाते हैं तथा सामाजिक समरसता को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी सदस्यों और निवासियों के प्रति आभार व्यक्त किया। वहीं सोसाइटी के सलाहकार श्री संतोष कुमार वाहने ने कहा कि कॉलोनीवासियों की सक्रिय भागीदारी और उत्साह ही ऐसे आयोजनों की असली ताकत होती है। उन्होंने सभी निवासियों को होली की शुभकामनाएँ देते हुए भविष्य में भी इसी तरह मिल-जुलकर समाज के विकास के लिए कार्य करने की अपील की।कार्यक्रम की सफलता के लिए रोज़वुड रेजिडेंशियल वेलफेयर सोसाइटी की ओर से सभी कॉलोनीवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया गया। सोसाइटी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर सोसाइटी के उपाध्यक्ष श्री छन्नूलाल साहू, सचिव श्री सौरभ सिंह, संगठन सचिव श्री के. मजूमदार, कोषाध्यक्ष डॉ. राजेश शुक्ला सहितसर्वश्री आर.एस. गौर, रामेश्वर सिंह, कौशल शर्मा, सुब्रतो सरकार, अशोक कुमार सिंह, प्रिंस सिंह, आई.डी. पालीवाल, चेतन सिंह ठाकुर, मनोज कुमार ठाकुर, आर.एस. पटेल, अभिषेक प्रकाश, श्रेयांश श्रीवास्तव, मीत सिंह मरावी, हेमंत सिंह, राघवेंद्र शर्मा, नरेंद्र कुमार साहू, कृष्ण कुमार सोनी, परसराम घनश्यानी, अमिताभ मजूमदार,पी.के. यादव, गौरव सिंहा, अभिषेक गौर, पवन झा, दिग्विजय सिंह परिहार तथा बड़ी संख्या में कॉलोनीवासी उपस्थित रहे। सोसाइटी की ओर से सभी को एक बार पुनः होली पर्व की हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनके सुख, शांति और समृद्धि की कामना की गई।

खरसिया कस्टोडियल डेथ मामला : रमेश चौहान की मौत पर उबाल, चौहान समाज की हजारों की रैली—न्यायिक जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

खरसिया/रायगढ़/मूक पत्रिका

रायगढ़ जिले के खरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम पारसकोल में सामने आया पुलिस हिरासत में मौत का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। हत्या के एक मामले में संदिग्ध के रूप में पकड़े गए युवक रमेश चौहान की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के बाद पूरे क्षेत्र में आक्रोश फैल गया है। मृतक के परिजनों, समाज और ग्रामीणों ने पुलिस पर थर्ड डिग्री टॉर्चर का गंभीर आरोप लगाते हुए न्यायिक जांच की मांग की है। मामले को लेकर चौहान समाज में भी भारी नाराजगी देखी जा रही है। गुरुवार को समाज के हजारों लोग सड़कों पर उतर आए और रैली निकालते हुए धरना-प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शनकारियों ने खरसिया तहसील मुख्यालय पहुंचकर एसडीओपी कार्यालय और एसडीएम कार्यालय का घेराव किया तथा पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

हिरासत में मारपीट का आरोप-मृतक की पत्नी किरन चौहान ने रायपुर स्थित जिला एवं सत्र न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर आरोप लगाया है कि उनके पति रमेश चौहान को 1 और 2 मार्च 2026 को खरसिया थाना पुलिस ने हिरासत में रखा था। आवेदन में कहा गया है कि इस दौरान पुलिसकर्मियों ने पर उनके साथ गंभीर मारपीट की, जिससे उनकी हालत बेहद खराब हो गई। किरन चौहान का आरोप है कि मारपीट के कारण उनके पति के पेट, सीने, सिर और पैरों के तलवों पर गंभीर चोटें आई और उनका आधा शरीर लगभग सुन्न हो गया। बाद में पुलिस द्वारा ग्राम पंचायत के सरपंच को फोन कर यह जानकारी दी गई कि रमेश चौहान की तबीयत थाने में अचानक बिगड़ गई है और उन्हें खरसिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

अस्पताल से रायगढ़ और फिर रायपुर रेफर-सूचना मिलने पर परिजन और सरपंच अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल रायगढ़ रेफर करने की सलाह दी। परिजनों का आरोप है कि इसी दौरान पुलिसकर्मियों ने उनसे जबरन सुपुर्दनामा पर हस्ताक्षर करवा लिए और मरीज को अस्पताल में छोड़कर वहां से चले गए। परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण इलाज कराना मुश्किल हो गया। परिजनों ने एक पिकअप वाहन की ट्रॉली में ही घायल रमेश चौहान को बैठाकर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर पूरी घटना से अवगत कराया। स्थिति को देखते हुए एसडीएम ने तत्काल मदद करते हुए परिजनों को 5 हजार रुपये दिए तथा एक निजी एंबुलेंस चालक को 2500 रुपये देकर मरीज को रायगढ़ के सरकारी अस्पताल भेजने की व्यवस्था कराई। रायगढ़ अस्पताल में किए गए सीटी स्कैन में डॉक्टरों ने बताया कि उनके सिर की नस फट गई है और मस्तिष्क में रक्त जमने की स्थिति बन रही है। हालत गंभीर देखते हुए उन्हें तत्काल रायपुर के डीकेएस अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया।

एंबुलेंस में देरी, निजी व्यवस्था से रायपुर पहुंचाया-परिजनों के अनुसार रायपुर ले जाने के लिए सरकारी एंबुलेंस से संपर्क किया गया, लेकिन करीब दो घंटे तक एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी। मरीज की बिगड़ती हालत को देखते हुए ग्राम पंचायत के सरपंच ने निजी एंबुलेंस की व्यवस्था की और लगभग 6500 रुपये खर्च कर उन्हें तत्काल रायपुर के डीकेएस अस्पताल पहुंचाया गया। रायपुर में कई दिनों तक इलाज चलता रहा, लेकिन हालत में सुधार नहीं हुआ और अंततः 5 मार्च 2026 को उपचार के दौरान रमेश चौहान की मृत्यु हो गई।

पुलिस पर थर्ड डिग्री टॉर्चर का आरोप-मृतक के परिजनों ने सीधे तौर पर खरसिया थाना प्रभारी टीआई राजेश जांगड़े और अन्य पुलिसकर्मियों पर थर्ड डिग्री टॉर्चर कर हत्या करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि हिरासत में की गई मारपीट के कारण ही रमेश चौहान की जान गई।वहीं पुलिस प्रशासन ने इन आरोपों को निराधार बताया है। इस मामले में एसडीओपी ने कहा है कि पुलिस पर लगाए जा रहे आरोप तथ्यों से परे हैं और पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

न्यायिक जांच और कार्रवाई की मांग-प्रार्थना पत्र में मृतक की पत्नी ने मांग की है कि मामले को पुलिस अभिरक्षा में हुई मौत मानते हुए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 176(1) के तहत न्यायिक जांच कराई जाए। साथ ही मृतक का पोस्टमार्टम मेडिकल बोर्ड से कराया जाए और पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की जाए। इसके अलावा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सभी बाहरी और आंतरिक चोटों का विस्तृत उल्लेख करने, अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज और मेडिकल रिकॉर्ड सुरक्षित रखने तथा मामले में संलिप्त पुलिस अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करने की मांग भी की गई है।

क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल-घटना के बाद खरसिया क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। आक्रोशित परिजन और ग्रामीण तहसील कार्यालय के सामने धरने पर बैठ गए हैं। प्रदर्शनकारियों की मांग है कि दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल निलंबित किया जाए और मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाए।

किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द न्यायसंगत कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और भी उग्र रूप ले सकता है। फिलहाल पूरे क्षेत्र में इस घटना को लेकर गहमागहमी और भारी हलचल का माहौल बना हुआ है।

ब्लॉक अध्यक्ष विकास कोसले ने ब्लॉक कार्यकारिणी का किया विस्तार; युवाओं को सौंपी संगठन की कमान

सारंगढ़/मूक पत्रिका

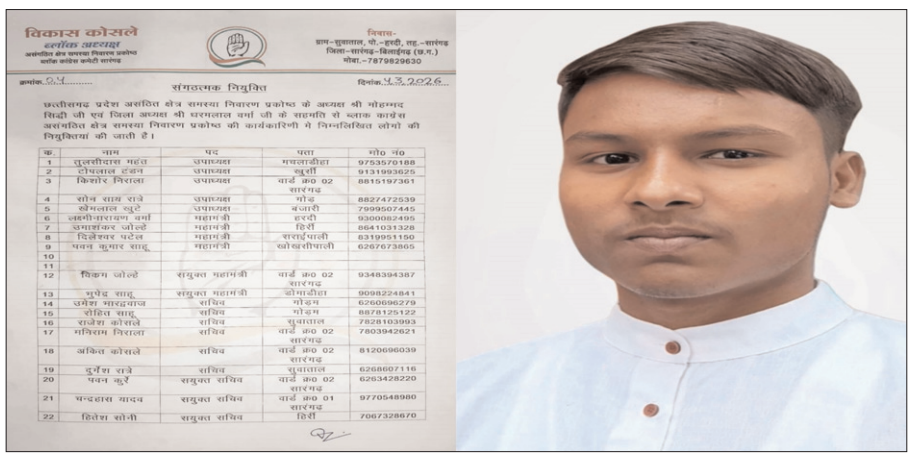

विकास कोसले
ब्लॉक अध्यक्ष
असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ
ब्लॉक कांग्रेस कमेटी सारंगढ़

निवास-
ग्राम-सुवाताल, पो.-हरदी, तह.-सारंगढ़
जिला-सारंगढ़-बिलाईगढ़ (छ.ग.)
मोबा.-7879829630

क्रमांक 05 दिनांक 5.3.2026

संगठनात्मक नियुक्ति

छत्तीसगढ़ प्रदेश असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष श्री मोहम्मद सिद्दी जी एवं जिला अध्यक्ष श्री धरमलाल वर्मा जी के सहमति से ब्लाक कांग्रेस असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ की कार्यकारिणी मे निम्नलिखित लोगो की नियुक्तियां की जाती है।

क्र.	नाम	पद	पता	मो० नं०
1	तुलसीदास महंत	उपाध्यक्ष	मचलाडीहा	9753570188
2	टोपलाल टंडन	उपाध्यक्ष	खुर्सी	9131993625
3	किशोर निराला	उपाध्यक्ष	वार्ड क्र0 02 सारंगढ़	8815197361
4	सोन साय रात्रे	उपाध्यक्ष	गोड़	8827472539
5	खेमलाल खुटे	उपाध्यक्ष	बंजारी	7999507445
6	लक्ष्मीनारायण वर्मा	महामंत्री	हरदी	9300082495
7	उमाशंकर जोल्हे	महामंत्री	हिर्री	8641031328
8	दिलेश्वर पटेल	महामंत्री	सराईपाली	8319951150
9	पवन कुमार साहू	महामंत्री	खोखसीपाली	6267673865
10				
11				
12	विक्रम जोल्हे	संयुक्त महामंत्री	वार्ड क्र0 02 सारंगढ़	9348394387
13	भूपेंद्र साहू	संयुक्त महामंत्री	डोमाडीहा	9098224841
14	उमेश भारद्वाज	सचिव	गोड़म	6260696279
15	रोहित साहू	सचिव	गोड़म	8878125122
16	राजेश कोसले	सचिव	सुवाताल	7828103993
17	मनिराम निराला	सचिव	वार्ड क्र0 02 सारंगढ़	7803942621
18	अंकित कोसले	सचिव	वार्ड क्र0 02 सारंगढ़	8120696039
19	दुर्गेश रात्रे	सचिव	सुवाताल	6268607116
20	पवन कुर्रे	संयुक्त सचिव	वार्ड क्र0 02 सारंगढ़	6263428220
21	चन्द्रहास यादव	संयुक्त सचिव	वार्ड क्र0 01 सारंगढ़	9770548980
22	हितेश सोनी	संयुक्त सचिव	हिर्री	7067328670

होली के पावन पर्व के शुभ अवसर पर छत्तीसगढ़ प्रदेश असंगठित क्षेत्र समस्या निवारण प्रकोष्ठ के ब्लॉक अध्यक्ष विकास कोसले ने अपनी कार्यकारिणी का बहुप्रतीक्षित विस्तार किया है। प्रदेश अध्यक्ष श्री मोहम्मद सिद्दीकी एवं जिला अध्यक्ष श्री धरमलाल वर्मा की सहमति से जारी इस सूची में ऊर्जावान युवाओं और अनुभवी कार्यकर्ताओं के बीच बेहतरीन संतुलन बनाने की कोशिश की गई है।

प्रमुख नियुक्तियाँ और जिम्मेदारियाँ-विकास कोसले द्वारा जारी सूची में 33 पदाधिकारियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ दी गई हैं। संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए ब्लॉक स्तर पर निम्नलिखित नियुक्तियाँ की गई हैं:

* उपाध्यक्षः तुलसीदास महंत, टोपलाल टंडन, किशोर निराला, सोन साय रात्रे और खेमलाल खुटे।

* महामंत्रीः लक्ष्मीनारायण वर्मा, उमाशंकर जोल्हे, दिलेश्वर पटेल और पवन कुमार साहू।

* संयुक्त महामंत्रीः विक्रम जोल्हे एवं भूपेंद्र साहू। * सचिवः उमेश भारद्वाज, रोहित साहू, राजेश कोसले, मनिराम निराला, अंकित कोसले और दुर्गेश रात्रे।

* कार्यकारिणी सदस्यः गौतम जोल्हे, अनुराग महंत, नितेश खुटे, संजू गिरी, राजकुमार गिरी, सूरज मनहर, हसन कोसले, फागूलाल जाटवर और विश्वास महंत।

नेतृत्व पर जताया भरोसा

इस विस्तार के दौरान विकास कोसले ने कहा कि यह नई टीम राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि नवनियुक्त पदाधिकारी नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत, विधायक श्रीमती उत्तरी गणपत जांगड़े और जिला कांग्रेस अध्यक्ष ताराचंद देवांगन राकेश पटेल के मार्गदर्शन में संगठन को नई ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

कार्यकर्ताओं में उत्साह

होली के मौके पर मिली इन नई जिम्मेदारियों से कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह देखा जा रहा है। स्थानीय नेताओं का मानना है कि युवाओं को आगे लाने से ब्लॉक स्तर पर कांग्रेस की पकड़ और अधिक मजबूत होगी। विकास कोसले ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को निष्ठापूर्वक कर्तव्यों के निर्वहन के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

सारंगढ़ भाजपा कार्यालय भव्य में होली मिलन समारोह का हुआ आयोजन, गुलाल में रंगे नेतागण..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

गुरूवार की शाम सारंगढ़ बिलाईगढ़ भाजपा जिला कार्यालय में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ।

जिला भाजपाध्यक्ष ज्योति पटेल के नेतृत्व में उत्साह, उमंग और संगठनात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण इस आयोजन में कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को रंग गुलाल लगाया और गले मिलकर अपनापन का संदेश दिया। जो भाजपा परिवार की एकजुटता और समर्पण का सशक्त प्रतीक रहा। इस गरिमामय अवसर पर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष जगन्नाथ पाणिग्राही, जिलाध्यक्ष ज्योति पटेल, महामंत्री द्वय अमित तिवारी एवं द्वारिका साहू, जिला पंचायत अध्यक्ष संजय भूषण पांडेय, जिला भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी चूड़ामणि पटेल, भुवन मिश्रा, जगन्नाथ केसरवानी, दुर्गा ठाकुर, चिंताराम साहू, वैजन्ती लहरे, आकांक्षा बेहरा सहित अनेक वरिष्ठ नेतागण उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 के लिए 23 कर्मियों की नियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित

बेमेतरा/मूक पत्रिका

भारत की जनगणना 2027 के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन बेमेतरा द्वारा आवश्यक तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। कलेक्टर कार्यालय (जनगणना शाखा) बेमेतरा से जारी सूचना के अनुसार जनगणना कार्य के लिए तकनीकी सहायक एवं बहु-कार्य कर्मचारी की नियुक्ति हेतु ई-निविदा आमंत्रित की गई है।जारी आदेश के अनुसार भारत की जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य अप्रैल से सितंबर 2026 तक किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में संपन्न होगी। इस बार जनगणना के कार्य मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से किए जाएंगे, जिसके लिए डेटा संग्रहण, प्रबंधन और निगरानी प्रणाली पोर्टल, मकान सूचीकरण ब्लॉक निर्माण वेब एप्लीकेशन तथा स्व-गणना पोर्टल का उपयोग किया जाएगा।इन कार्यों के सुचारु संचालन के लिए जिला स्तर पर 22 तकनीकी सहायक तथा 01 एमटीएस (चतुर्थ श्रेणी) कर्मचारी की एजेंसी के माध्यम से पारिश्रमिक आधार पर नियुक्ति की जाएगी। तकनीकी सहायकों को 25,000 रुपये प्रतिमाह तथा एमटीएस को 18,000 रुपये प्रतिमाह मानदेय (EPF, ESIC, GST, IOT एवं सर्विस टैक्स सहित) प्रदान किया जाएगा। इन 23 कर्मियों की नियुक्ति अप्रैल 2026 से जून 2027 तक कुल 15 माह की अवधि के लिए की जाएगी, जिसके लिए कुल 85 लाख 20 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। नियुक्ति के लिए त्नद्गरूपोर्टल के माध्यम से आवेदन आमंत्रित की गई है। आवेदन 06 मार्च 2026 को प्रातः 11 बजे कलेक्टर कार्यालय बेमेतरा स्थित दिशा सभा कक्ष में खोली जाएगी। जिला प्रशासन ने संबंधित एजेंसियों से निर्धारित प्रक्रिया के तहत निविदा में भाग लेने की अपील की है।

अधिकारियों पर तानाशाही का आरोप : वन कर्मचारियों की समस्याएं बनीं मुख्य मुद्दा, समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ जिला शाखा सारंगढ़-बिलाईगढ़ की बैठक में इस बार सम्मान समारोह से ज्यादा चर्चा कर्मचारियों की लंबित समस्याओं और उनके समाधान पर केंद्रित रही।

संघ ने साफ शब्दों में कहा कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होगा। कार्यक्रम में प्रांताध्यक्ष अजित दुबे सहित प्रांतीय और संभागीय पदाधिकारी मौजूद रहे। मंच के माध्यम से कर्मचारियों ने अपनी समस्याएं विस्तार से रखीं और त्वरित समाधान की मांग की।

मानसिक दबाव और कार्रवाई का भय-कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उच्च अधिकारियों द्वारा बिना ठोस कारण के दबाव बनाया जा रहा है। बार-बार कार्रवाई की चेतावनी और दंडात्मक कदमों से कर्मचारियों का मनोबल गिर रहा है, जिसका सीधा असर विभागीय कार्यों पर पड़ रहा है। संघ ने मांग की कि अनावश्यक प्रताड़ना बंद कर स्वस्थ कार्य वातावरण बनाया जाए।

बिना जांच वेतन वृद्धि रोकने पर आपत्ति- संघ ने कई मामलों में बिना समुचित स्थल जांच और एकपक्षीय रिपोर्ट के आधार पर वेतन वृद्धि रोकने जैसी कार्रवाई पर आपत्ति जताई। परिसर रक्षक और वनपाल स्तर के कर्मचारियों के खिलाफकी गई ऐसी कार्रवाइयों की निष्पक्ष जांच कर पुनर्विचार करने की मांग की गई है। संघ का कहना है कि किसी भी दंडात्मक कदम से पहले मौके का सत्यापन और कर्मचारियों का पक्ष सुनना जरूरी है।

मनरेगा और वृक्षारोपण कार्य में वसूली पर पुनर्विचारमनरेगा मद अंतर्गत कराए गए वृक्षारोपण कार्यों में एकपक्षीय जांच के आधार पर वसूली की प्रक्रिया शुरू किए जाने पर भी नाराजगी जताई गई। कर्मचारियों ने कहा कि परियोजना अवधि कोरोना काल से प्रभावित रही, फिर भी कार्य किया गया। ऐसे मामलों में वास्तविक स्थिति का आकलन कर न्यायपूर्ण निर्णय लिया जाए।

स्टाफकी कमी और अतिरिक्त प्रभार-वनमंडल में कर्मचारियों की भारी कमी बताई गई। एक-एक कर्मचारी को दो से तीन परिसरों का प्रभार दिया जा रहा है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है। संघ ने रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति और संतुलित पदस्थापना की मांग की। बिलाईगढ़ वन परिक्षेत्र में कई बीट प्रभारी अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। संघ ने उच्च स्तर पर पत्राचार कर बीएफओ की नियुक्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

सुरक्षा और संसाधनों की मांग-मैदानी अमले ने बताया कि बीएफओ को दिन-रात अकेले गश्त करनी पड़ती है। अपराधियों और वन्यजीवों से खतरा बना रहता है। संघ ने प्रत्येक बीट में एक चौकीदार या गार्ड देने की मांग की। साथ ही जीपीएस, टॉर्च और पानी की बोतल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई।

प्रशासनिक पारदर्शिता और सुविधाएं-संघ ने कहा कि केवल व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से आदेश जारी कर जवाब न देने पर कार्रवाई की चेतावनी देना उचित नहीं है। आधिकारिक माध्यम से संवाद हो। इसके अलावा मांग की गई कि- गोपनीय प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रति समय पर दी जाए।- विभागीय स्वीकृति आदेश और परियोजना प्रतिवेदन की प्रति संबंधित कर्मचारियों को उपलब्ध कराई जाए।- सभी कर्मचारियों के पहचान पत्र बनाए जाएं- सेवा पुस्तिका की प्रति दी जाए।- समयमान वेतनमान, लंबित वेतन और चिकित्सा प्रतिपूर्ति का शीघ्र भुगतान किया जाए।- सेवानिवृत्ति से पहले पेंशन प्रकरण की प्रक्रिया पूरी की जाए।

संयुक्त निरीक्षण के बाद ही अतिक्रमण कार्रवाई-संघ ने यह भी कहा कि वन सीमा को केवल केएमएल आधार पर अवैध अतिक्रमण मानकर कार्रवाई का दबाव बनाना उचित नहीं है। वन और राजस्व विभाग के संयुक्त निरीक्षण के बाद ही किसी प्रकार की कार्रवाई हो।

समाधान नहीं तो आंदोलन-प्रांताध्यक्ष अजित दुबे ने आश्वासन दिया कि समस्याओं पर वनमंडलाधिकारी से चर्चा कर समाधान का प्रयास किया जाएगा। वहीं जिलाध्यक्ष हीरालाल चौधरी ने कहा कि यदि समय रहते सुधार और निराकरण नहीं हुआ तो संघ चरणबद्ध आंदोलन करेगा। बैठक में साफ संदेश दिया गया कि कर्मचारी सम्मान चाहते हैं, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है समस्याओं का व्यावहारिक और स्थायी समाधान।

आदिम जाति विभाग से पंचायत विभाग को नियंत्रण देने के प्रस्ताव पर जताई आपत्ति, मांग नहीं मानी तो आंदोलन की चेतावनी

सीईओ के प्रशासनिक नियंत्रण बदलाव का विरोध, सर्व आदिवासी समाज ने सीएम के नाम कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बीजापुर। आदिवासी विकासखंडों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों (सीईओ) के प्रशासनिक नियंत्रण में प्रस्तावित बदलाव को लेकर बीजापुर में सर्व आदिवासी समाज ने विरोध जताया है। समाज के पदाधिकारियों ने जिला कलेक्टर के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर इस प्रस्ताव को वापस लेने की मांग की है। समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि सामान्य प्रशासन विभाग नवा रायपुर के पत्र क्रमांक स्न-हश्व श्वस्ञ्जक्र-102(2)/206/2026-त्नष्ठ-4, दिनांक 27 फरवरी 2026 के तहत यह प्रस्ताव सामने आया है, जिसमें आदिवासी विकासखंडों के सीईओ का प्रशासनिक नियंत्रण आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग से हटाकर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को सौंपने की बात कही गई है। सर्व आदिवासी समाज ने इसे आदिवासी हितों के खिलाफ बताया है। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि संविधान की पांचवीं अनुसूची के तहत अनुसूचित क्षेत्रों के प्रशासन के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। आदिम जाति विकास विभाग खास तौर पर आदिवासी समाज के संरक्षण और विकास के लिए बनाया गया है, इसलिए इन क्षेत्रों के प्रशासनिक नियंत्रण को उसी विभाग के अधीन रहना चाहिए। उनका कहना है कि यदि इसे पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग को सौंपा गया तो आदिवासी क्षेत्रों में योजनाओं के क्रियान्वयन और समन्वय पर असर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि आदिवासी इलाकों में पेसा कानून लागू है और यहां ग्राम सभाओं की भूमिका काफी महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में विकासखंडों के सीईओ का आदिम जाति विकास विभाग के अधीन रहना ही बेहतर व्यवस्था है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया है कि आदिवासी विकासखंडों की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियां सामान्य क्षेत्रों से अलग होती हैं, जिन्हें आदिम जाति विकास विभाग बेहतर तरीके से समझता है। यदि प्रशासनिक नियंत्रण बदला जाता है तो ट्राइबल सब प्लान की योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी असर पड़ सकता है। साथ ही विभाग में काम कर रहे अधिकारियों और कर्मचारियों की सेवा शर्तों और वरिष्ठता को लेकर भी चिंता जताई गई है। सर्व आदिवासी समाज ने शासन से मांग की है कि आदिवासी विकासखंडों के सीईओ का प्रशासनिक नियंत्रण पूर्व की तरह आदिम जाति एवं अनुसूचित जाति विकास विभाग के अधीन ही रखा जाए। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि यदि इस मांग पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो राज्यभर में चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान सर्व आदिवासी समाज के जिला सचिव कमलेश्वर सिंह पैंकरा, गोंड समाज के जिला अध्यक्ष कामेश्वर दुब्बा, ब्लॉक अध्यक्ष पांडुराम तेलम, गोंडवाना समन्वय समिति के अध्यक्ष अमित कोरसा, परधान समाज के श्रवण सैंड्रा, बलराम वेंजम, शांतनु नूरेटी और लक्ष्मण कड़ती सहित अन्य सामाजिक पदाधिकारी मौजूद थे। इससे पहले गोंडवाना भवन में समाज की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस गोंडवाना भवन परिसर में मनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में अधिकारी-कर्मचारी प्रभाग के गठन को लेकर भी चर्चा हुई। बैठक के दौरान होली की शाम आदिवासी युवक सतीश मांडवी के साथ पुलिस द्वारा कथित मारपीट की घटना की भी निंदा की गई और इस मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की गई। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि इस तरह की घटनाएं आदिवासी समाज के बीच गलत संदेश देती हैं, इसलिए मामले की निष्पक्ष जांच जरूरी है।

संपादकीय

जंग से तेल बाजार में तेजी, चिंता गहराई

रविवार को ईरान ने इजराइल और खाड़ी अरब देशों को निशाना बनाकर मिसाइलें दागीं। यह कदम सुप्रीम लीडर खामनोई की मौत के बाद 'जवाबी कार्रवाई' के रूप में बताया गया।दोहा, दुबई, अबू धाबी और मनामा में जोरदार धमाके सुनाई रहे थे कई जगह धुआं उठ रहा था। ईरान अब तेल टैंकरों को भी निशाना बना रहा है। दुनिया में तेल संकट गहरा सकता है।ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतें लगातार दूसरे दिन मजबूती के साथ छह महीने के उच्च स्तर पर बनी हुई हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध और बढ़ते तनाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है, जिससे तेल बाजार में तेजी देखने को मिल रही है।

20 फरवरी 2026 को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड करीब 72 डॉलर प्रति बैरल के आसपास ट्रेड कर रहा है, जबकि वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट लगभग 67 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ है। तेजी की सबसे बड़ी वजह इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच जंग। मिडिल ईस्ट में अमेरिका की सैन्य तैनाती 2003 के इराक युद्ध के बाद सबसे बड़ी बताई जा रही था। सैटेलाइट तस्वीरों से संकेत मिले हैं कि ईरान भी अपनी रणनीतिक जगहों को मजबूत कर रहा थ। जंग के चलते तेल सप्लाई बाधित होने का खतरा बढ़ गया है। विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट पर निवेशकों की नजर है, क्योंकि दुनिया के लगभग एक-तिहाई तेल का परिवहन इसी मार्ग से होता है। यदि यहां किसी प्रकार का व्यवधान आता है, तो कीमतों में और तेज उछाल संभव है। अमेरिका में पिछले सप्ताह कच्चे तेल का भंडार लगभग 9 मिलियन बैरल घटा है, जो सितंबर के बाद की सबसे बड़ी गिरावट है। रिफाइंड प्रोडक्ट्स के स्टॉक में भी कमी आई है, जो मजबूत मांग का संकेत देता है। जंग केचलते 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। जंग का असर अब भारत के व्यापार पर भी पड़ता दिखाई दे रहा है। खासकर बासमती चावल और चाय के निर्यात को लेकर भारतीय कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है।ईरान भारत के बासमती चावल का सबसे बड़ा खरीदार देश है। युद्ध से पहले पिछले दो महीनों में ईरानी आयातकों ने भारत से बड़ी मात्रा में बासमती चावल के ऑर्डर दिए थे। मांग बढ़ने की वजह से घरेलू बाजार में बासमती चावल की कीमत लगभग 10 रुपये प्रति किलो तक बढ़ गई थी। लेकिन संघर्ष शुरू होने के बाद भारत से ईरान को बासमती चावल की आपूर्ति लगभग ठप हो गई है। आंकड़ों के अनुसार, भारत के कुल बासमती चावल निर्यात का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा ईरान को जाता है, जबकि करीब 20 प्रतिशत इराक को निर्यात होता है।

इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओ त्से-तुंग ने कहा था कि किसी आदमी को एक मछली दो और तुम उसे एक दिन के लिए खिलाओगे। उसे मछली पकड़ना सिखाओ और तुम उसे ज़िंदगी भर खिलाओगे। आज के भारतीय शब्दों में यह है कि हर नेता जो मुफ्त चीजों का वादा करता है, असल में यह कह रहा है कि मैं तुम्हें एक अच्छी रोजी-रोटी और रेगुलर इनकम की इज्जत नहीं दे सकता। इसलिए अभी के लिए यह कुछ है, इसी से काम चला लो। चुनाव आते ही मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए राजनैतिक दलों में मुफ़्त की रेवड़ी बाँटने की होड़ लग जाती है।

वोट के लिए मुफ्त की रेवड़ी से कर्जे के अंधकूप में देश

(योगेंद्र योगी)

कोई मुफ्त बिजली और पानी देने की बात करता है तो कोई स्मार्टफ़ोन, लैपटॉप, साइकिल और टीवी की बात करता है।सुप्रीम कोर्ट ने मुफ्त सुविधाएं देने की संस्कृति की कड़ी आलोचना करते हुए कहा है कि देश के आर्थिक विकास में बाधा डालने वाली ऐसी नीतियों पर पुनर्विचार करने का समय आ गया है। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने एक याचिका दायर कर उपभोक्ताओं की वित्तीय स्थिति पर गौर किए बिना हर किसी को निःशुल्क बिजली प्रदान करने का प्रस्ताव दिया था। हालांकि, कोर्ट ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) सरकार के नेतृत्व वाली बिजली वितरण कंपनी की मुफ्त बिजली उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखने वाली याचिका पर केंद्र और अन्य को नोटिस जारी किया है। बिजली वितरण कंपनी ने सुप्रीम कोर्ट में विद्युत संशोधन नियम, 2024 के एक नियम को चुनौती दी थी।

इस पर सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि मुफ्त की चीजें देकर राज्य सरकारें लोगों की आदतें खराब कर रही है। कोर्ट ने आगे कहा कि इन लोगों का रोजगार सृजन पर ध्यान देना चाहिए। कोर्ट ने कहा कि कई राज्य सरकारें कर्ज और घाटे से दबी हुई हैं। इसके बावजूद वे मुफ्त योजनाएं बांट रही हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की पीठ ने पूछा कि बिजली शुल्क अधिसूचित होने के बाद तमिलनाडु की कंपनी ने अचानक जेब ढीली करने का फैसला क्यों किया। प्रधान न्यायाधीश ने कहा राज्यों को रोजगार के रास्ते खोलने के लिए काम करना चाहिए। अगर आप सुबह से शाम तक मुफ्त भोजन देना शुरू कर देंगे, फिर मुफ्त साइकिल, मुफ्त बिजली देंगे, तो कौन काम करेगा और फिर कार्य संस्कृति का क्या होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि वैलफेयर के तौर पर आप उन लोगों को देना चाहते हैं जो बिजली का चार्ज नहीं दे सकते, लेकिन जो लोग खर्च उठा सकते हैं और जो नहीं उठा सकते, उनके बीच फर्क किए बिना, आप बांटना शुरू कर देते हैं। तमिलनाडु के वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने विधानसभा में वित्त वर्ष 2026-27 के लिए अंतरिम बजट पेश किया था। इसमें अनुमान के मुताबिक, राज्य का कुल बकाया कर्ज बढ़कर 10.71 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। इस बढ़ते कर्ज के लिए वित्त मंत्री थंगम थेन्नारसु ने केंद्र को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र तमिलनाडु में वित्तीय अस्थिरता पैदा करने की कोशिश कर रहा है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की मंजूरी नहीं दे रही है और केंद्र

प्रायोजित योजनाओं का फंड रोक रही है। उन्होंने जीएसटी दरों में कटौती और 16वें वित्त आयोग की रिपोर्ट पर भी निराशा जताई।

मंत्री थेन्नारसु के अनुसार संघीय ढांचे में राज्यों के साथ ऐसा अनुचित व्यवहार पहले कभी नहीं देखा गया। द्रमुक (डीएमके) सरकार ने अपनी फ्लैगशिप योजनाओं के लिए फंड की कमी नहीं होने दी। महिलाओं के लिए 'विदियाल पयानम' योजना (मुफ्त बस यात्रा) के लिए 4,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। इसके अलावा, छात्रों के लिए बस किराए की योजना हेतु 1,782 करोड़ रुपये और डीजल सब्सिडी के लिए 1,857 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। कुल मिलाकर परिवहन विभाग को 13,062 करोड़ रुपये मिले। सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए भी सरकार ने 5,463 करोड़ रुपये का बड़ा हिस्सा अलग रखा है। तमिलनाडु में पिछले 4 वर्षों में प्रति परिवार कर्ज तेजी से बढ़कर लगभग 3.7 लाख रुपए तक पहुंच गया है, जो राज्य की गंभीर वित्तीय स्थिति को दर्शाता है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार तमिलनाडु पर देश में सर्वाधिक 8.34 लाख करोड़ रुपये कर्ज है। दूसरे नंबर पर उत्तर प्रदेश है। इस पर 7.69 लाख करोड़ रुपये कर्जा है। इसी तरह महाराष्ट्र पर 7.22 लाख करोड़, पश्चिम बंगाल पर 6.58 लाख करोड़ रुपये, कर्नाटक पर 5.97 लाख करोड़ रुपये, राजस्थान पर 5.62 लाख करोड़ रुपये, आंध्र प्रदेश पर 4.85 करोड़ रुपये का कर्जा है। गुजरात पर 4.67 लाख करोड़ रुपये, केरल पर 4.29 लाख करोड़ रुपये, मध्य प्रदेश पर 4.18 लाख करोड़ रुपये, तेलंगाना पर 3.89 लाख करोड़ रुपये, पंजाब पर 3.51 लाख करोड़ रुपये, हरियाणा पर 3.36 लाख करोड़ रुपये, बिहार पर 3.19 लाख करोड़ रुपये और असम पर 1.51 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। वर्ष 2016-17 के बाद कर्ज पर निर्भरता लगातार बढ़ती गई।वोट बैंक की राजनीतिक के कारण ऐसी लोकलुभावन मुफ्त की योजनाओं के कारण छोटा पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश डेब्ट ट्रैप में फंस गया है। आलम यह है कि हिमाचल सरकार के पास लिए गए कर्ज की मूल रकम व उस पर लगने वाले ब्याज को चुकाने के लिए भी पर्याप्त पैसा नहीं है। वहीं, कर्ज लेने की लिमिट सिर्फ 10 हजार करोड़ रुपए है। अगले वित्तीय वर्ष में कर्ज व ब्याज चुकाने के लिए 13 हजार करोड़ चाहिए। अब लोन को चुकाने के लिए मार्केट से कर्ज लेकर भी बात नहीं बन रही और तीन हजार करोड़ रुपए अपने बजट से चुकाने होंगे। सोलहवें फाइनेंस कमीशन की रिपोर्ट में हिमाचल सहित अन्य कुछ राज्यों की रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) खत्म कर दी है। इससे हिमाचल सरकार के खजाने पर भारी चोट लगी है। हिमाचल प्रदेश पर कुल देनदारियां 1 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर गई हैं, जिससे यह पहाड़ी राज्य कर्ज लेने वाले भारतीय राज्यों में 5वें स्थान पर पहुंच गया है।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने स्टेट फाइनेंस रिपोर्ट (2025-26) में कहा है कि मुफ्त की ऐसी योजनाओं के चलते राज्यों के बजट पर दबाव बढ़ रहा है। हरियाणा और पंजाब जैसे राज्यों में बुनियादी ढांचे (सड़क, स्कूल, अस्पताल) पर खर्च कुल बजट का 10त से भी कम रह गया है। मुफ्त की रेवड़ी बांटने में कोई पीछे नहीं है। केंद्र में बतौर विपक्षी पार्टी आलोचना करने वाली कांग्रेस अपनी सत्ता वाले राज्यों में खुल कर रेवड़ियां बांटती रही है। उसी तरह केंद्र में खुल कर यह काम करने वाली भाजपा, राज्यों में कांग्रेस व अन्य पार्टियों का इसके लिए विरोध करती है। बीते नौ साल में प्रति व्यक्ति कर्ज तीन गुना बढ़ गया है। इसका एक बड़ा कारण केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा जनता को खुले आम रेवड़ियां बांटना भी है। देश में प्रति व्यक्ति कर्ज 1,86,206 रुपए हो जाने का अनुमान है। अहम बात यह है कि राजनीतिक दलों को यह भी बताना चाहिए कि इन मुफ्त की योजनाओं के लिए धन कहां से आएगा। अब हमारी फाइनेंशियल पॉलिटिक्स में ईमानदारी और जवाबदेही वापस लाने का समय आ गया है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

बरसाना की लठमार होली का अनोखा रहस्य, क्यों महिलाएं देसी घी खाकर पुरुषों पर बरसाती हैं लाठियां?

(दिव्यांशी भदौरिया)

बरसाना की विश्व प्रसिद्ध लट्ठमार होली का एक अनोखा रहस्य नंदगांव से भेजे जाने वाले देसी घी से जुड़ा है, जिसे खाकर महिलाएं पुरुषों पर पूरी ताकत से लाठियां बरसाती हैं। यह परंपरा राधा-कृष्ण के प्रेम और उनकी लीलाओं का प्रतीक है, जो हर साल फाल्गुन मास में मथुरा में मनाई जाती है।

होली का त्योहार उत्साह और रंगों के लिए जाना जाता है। विश्वभर में ब्रज की होली सबसे ज्यादा लोकप्रिय है। ब्रज की लट्ठमार होली, फूलों की होली और लड्डुओं की होली काफी फेमस है। बरसाना की लट्ठमार होली उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले में मनाई जाने वाली पारंपरिक होली है, यह होली राधा रानी और भगवान कृष्ण के प्रेम और उनकी लीलाओं पर आधारित है। और यह होली का गाना सबको जरुर पसंद आएगा। होरी खेले तो आ जइयो,

बरसाने रसिया

रंग भी लइयो गुलाल भी लइयो,
गोपी भी लइयो संग ग्वाल भी लइयो,
मन मिले तो आ जइयो,
बरसाने रसिया

फाल्गुन मास में बरसाना की रंगीली गली में होने वाले इस उत्सव में नंदगांव के पुरुष (हुरियारे)बरसाना की महिलाओं (हुरियारिनों) पर रंग डालते हैं और बदले में महिलाएं उन्हें हंसी-मजाक में लाठियों (लठा) से पीटती हैं,जिससे पुरुष अपनी ढाल से बचते हैं। बृज में कहते हैं न-

या होरी को का कोऊ जाने
होरी को रस रसिक ही जाने
मन में सदा के लिए अंकित

कब से शुरू होगी लठामार होली

इस साल 26 फरवरी को बरसाना की नारियां नंद गांव के होरियारों के साथ लठमार होली खेली गई। बरसाने की इस अनोखी परंपरा को सही रूप में समझने के लिए राधा रानी के प्रति गहरी श्रद्धा और प्रेम को हृदय में स्थान देना आवश्यक है। बरसाना में राधा रानी, जिन्हें स्नेहपूर्वक 'लाड़ली जी' कहा जाता है जो कि विशेष और सर्वोपरि महत्व है, क्योंकि यही उनकी जन्मभूमि और उनकी दिव्य लीलाओं की पावन धरती मानी जाती है।

फाल्गुन में भीगती प्रेम की डोर

गौरतलब है कि बरसाना की लठमार होली विश्वप्रसिद्ध है। बरसाना और नंदगांव के बीच प्रेम में सरोबार ऐसी डोर है जो हर फागुन में रसरगं में भीजती है और अपने भक्तों को उसी प्रेम में भिगोती है। शिवरात्रि के दिन से ही लाडली जी महल से ढप, मृदंग और झांझ की थाप पर ब्रजवासी भक्ति और प्रेम में डूबे हुए नाचते-गाते होली की गुहार लगाने लगते हैं।

होरी है भई होरी है,होरी है भई होरी है
लठामार बरसाना खेलूं राधा रानी से मैं बोलूं
लाया हूं नंद का लाल रसिया होरी में,
सुनले ओ नंद के लाल रसिया होरी में,
लाल गुलाल लगा दूं तोपे, फिर मैं बोलूं सीधे मुंह से
मैं तो मारूं पिचकारी धार रसिया होरी में नारी बनाई नचाई छोड़िहों

होली खेलने का विशेष आमंत्रण भेजा जाता है

नंदगांव के पुरुषों को बरसाना की महिलाओं द्वारा होली खेलने के लिए न्योता भेजा जाता है। वहीं, टेसू और पलाश के फूलों से बने रंगों से होली खेली जाती है। कहा जाता है कि फागुन में नंदगांव से होरियारों की ओर से बरसाना की होरियारिनों के लिए देसी घी भेजा जाता है जिससे वे ताकत से उन पर लाठी बरसा सकें।

छिड़ा महायुद्ध, खाड़ी क्षेत्र में मिसाइलों की गूंज, भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर भी संकट गहराया!

(नीरज कुमार दुबे)

हमलों की पहली लहर में ही तेहरान के कई महत्वपूर्ण स्थलों पर विस्फोट हुए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के परिसर तथा राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के ठिकानों को निशाना बनाए जाने की खबरें सामने आईं। खामनेई समेत उनके परिवार और रक्षामंत्री की मौत हो चुकी है। पश्चिम एशिया में घटनाक्रम ने अचानक भीषण रूप ले लिया, जब अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर व्यापक सैन्य अभियान शुरू कर दिया था। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़े पैमाने पर युद्धक कार्रवाई की पुष्टि करते हुए इसे अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक कदम बताया और कहा कि तेहरान को परमाणु हथियार क्षमता हासिल करने से रोकना अनिवार्य है। हम आपको बता दें कि हमलों की पहली लहर में तेहरान के कई महत्वपूर्ण स्थलों पर विस्फोट हुए।

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के परिसर तथा राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के ठिकानों को निशाना बनाया। हमलों के तुरंत बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इजराइल और क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों पर मिसाइलें दागीं। कतर की राजधानी दोहा और संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबू धाबी में विस्फोटों की आवाजें सुनी गई थी। बहरीन में अमेरिकी पांचवें बेड़े के सेवा केंद्र के निकट हमले की सूचना मिली, जिसके बाद जुफैर इलाके को खाली कराया गया। कुवैत ने अपनी सुरक्षा के अधिकार सुरक्षित रखने की बात कही, जबकि जॉर्डन ने दो मिसाइलें मार गिराने का दावा किया। वहीं इजराइल में आपातकाल घोषित कर दिया गया है। इस समय ईरान की ओर से इजराइल और अमेरिकी बेसों पर मिसाइल और ड्रोन हमले लगातार होने की खबरें सामने आ रही हैं जिनसे यूएई में एक व्यक्ति की मौत की खबर है जबकि अमेरिकी और इजराइली हमलों से ईरान को हुए नुकसान को देखें तो वह काफी व्यापक है।

हम आपको बता दें कि ईरान के दक्षिणी शहर मीनाब में एक विद्यालय पर हमले में 55 से ज्यादा छात्रों की मृत्यु की खबर ने हालात की गंभीरता को और बढ़ा दिया है। तेहरान में आम नागरिकों में दहशत का माहौल है, उत्तर की ओर पलायन, पेट्रोल पंपों पर लंबी कतारें और संचार बंद होने की आशंकाएं सामने आ रही हैं। इसके अलावा, इस संघर्ष का सबसे तात्कालिक प्रभाव वैश्विक ऊर्जा बाजार पर भी पड़ता दिख रहा है। हम आपको बता दें कि खाड़ी क्षेत्र विश्व तेल आपूर्ति का प्रमुख स्रोत है और होर्मुज जलडमरूमध्य इसकी धुरी है। यह संकरा समुद्री मार्ग ईरान और ओमान के बीच स्थित है और वैश्विक तेल तथा गैस आपूर्ति का बड़ा हिस्सा इसी से गुजरता है। यदि ईरान ने इसे अवरुद्ध किया या टैंकरों पर हमले बढ़ाए तो पूरी दुनिया में ऊर्जा संकट गहरा सकता है। पहले ही कच्चे तेल के दाम सात महीने के उच्चतम स्तर पर पहुंच चुके थे। क्षेत्रीय युद्ध की स्थिति में कीमतें और उछल सकती हैं।

भारत के लिए यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। भारत विश्व के बड़े तेल आयातकों में से एक है और अपनी आवश्यकता का अधिकांश हिस्सा आयात करता है। भारत द्वारा आयातित कच्चे तेल का बड़ा भाग इसी जलडमरूमध्य से होकर आता है। कीमतों में एक डॉलर की भी वृद्धि से भारत के आयात बिल पर अरबों डॉलर का अतिरिक्त बोझ पड़ सकता है। इससे महंगाई, चालू खाते का घाटा और रुपये पर दबाव बढ़ सकता है।

भारत की एक और बड़ी चिंता क्षेत्र में बसे लाखों भारतीय नागरिकों की सुरक्षा है। खाड़ी देशों में बड़ी भारतीय प्रवासी आबादी कार्यरत है। हवाई क्षेत्र बंद होने से उड़ानों पर असर पड़ा है। इंडिगो और एअर इंडिया एक्सप्रेस जैसी विमानन कंपनियों ने पश्चिम एशिया की उड़ानें अस्थायी रूप से स्थगित कर दी हैं। इजराइल का हवाई क्षेत्र बंद होने से दिल्ली तेल अवीव उड़ान को वापस लौटना पड़ा। यदि संघर्ष लंबा खिंचता है तो निकासी अभियान चलाना पड़ सकता है।

सामरिक दृष्टि से यह टकराव अत्यंत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिकी और इजराइली हमलों का उद्देश्य केवल परमाणु कार्यक्रम को रोकना न होकर शासन परिवर्तन की दिशा में है, तो यह क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को पूरी तरह बदल सकता है। ईरान लंबे समय से लेबनान, सीरिया, इराक और यमन में अपने प्रभाव के जरिए शक्ति संतुलन बनाए हुए है। अब यदि वह सीधे अमेरिकी ठिकानों पर हमले कर रहा है तो यह छाया युद्ध से खुली जंग की ओर बढ़ने का संकेत है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जिन देशों में अमेरिकी सैन्य अड्डे हैं, यदि वे भी

प्रत्यक्ष रूप से युद्ध में शामिल हो जाएं तो क्या यह विश्व युद्ध जैसी स्थिति बन सकती है? खाड़ी के देश अब तक संतुलन साधने की कोशिश करते रहे हैं, परंतु यदि उनकी भूमि पर हमले जारी रहते हैं और वे सामूहिक प्रतिकार करते हैं, तो संघर्ष का दायरा तेजी से फैल सकता है। अमेरिका के साथ रक्षा समझौतों के कारण नाटो सहयोगी भी अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो सकते हैं। वहीं रूस ने हमलों की निंदा करते हुए इसे सशस्त्र आक्रमण बताया है। इस तरह यदि प्रमुख शक्तियां अलग अलग पक्षों में खुलकर उतरती हैं तो बहुध्रुवीय टकराव की आशंका बढ़ सकती है।

हालांकि तत्काल इसे विश्व युद्ध कहना जल्दबाजी होगी, परंतु ऊर्जा आपूर्ति, समुद्री मार्गों और क्षेत्रीय गठबंधनों पर पड़ने वाला प्रभाव इसे वैश्विक संकट अवश्य बना सकता है। यदि कूटनीतिक प्रयास विफल रहते हैं और होर्मुज या बाब अल मंदेब जैसे मार्ग अवरुद्ध होते हैं, तो एशिया, यूरोप और अमेरिका सभी प्रभावित होंगे। देखा जाये तो इस समय भारत के सामने संतुलित कूटनीति, ऊर्जा आपूर्ति का विविधीकरण, सामरिक भंडार का उपयोग और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करना सबसे बड़ी प्राथमिकताएं हैं। पश्चिम एशिया की यह ज्वाला यदि फैलती है तो इसका धुआं पूरी दुनिया को प्रभावित करेगा।

टाटीझरिया में कार पलटने से युवक की मौत, 23 दिन इलाज के बाद रायपुर में तोड़ा दम

खस्ताहाल सड़क पर अनियंत्रित हुई कार; सामरी पुलिस को नहीं मिली सूचना, कार्रवाई पर उठे सवाल

कुसमी /मूक पत्रिका

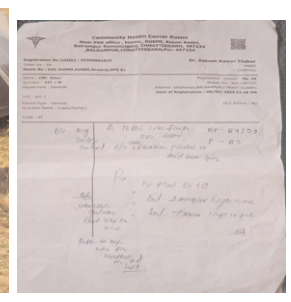

थाना सामरी अंतर्गत ग्राम पंचायत टाटीझरिया में साप्ताहिक बाजार के पास पीएमजीएसवाई के मुख्य सड़क पर एक मारुती सुजीकी स्विफ्ट ग्रे कलर की कार अनियंत्रित होकर पलट गई. उक्त सड़क दुर्घटना में चालक की रायपुर के डीके हॉस्पिटल में ईलाज के दौरान मौत हो गई। इस सड़क दुर्घटना की सुचना सामरी थाना प्रभारी विजय सिंह ने थाना में दर्ज नहीं होना बताया हैं। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी के प्रभारी बीएमओं सतीश पैकरा ने घायल व्यक्ति को प्राथमिक उपचार के बाद अंबिकापुर रेफर करना बताया। उक्त सड़क दुर्घटना के बाद जानकारी सामने आई हैं की दिनांक 9 फरवरी दिन सोमवार को करीब 9 बजे टाटीझरिया निवासी अजय कुमार बृजिया पिता सुकदु उम्र 22 वर्ष टाटीझरिया मुख्य मार्ग से होते हुवे गोपातु की ओर कार क्रमांक जेएच 01 एए 8261 को चलाते हुवे जा रहा था. इसी दौरान टाटीझरिया साप्ताहिक बाजार के पास उक्त कार खस्ताहाल सड़क में अनियंत्रित होकर कई बार पलटी हो गया। जिसके बाद उक्त मार्ग से गुजरने वाले हिण्डालको इंड्स्ट्रीज लिमिटेड कम्पनी के मजदूरों ने घायल अवस्था में पड़े अजय को तत्काल निजी साधन से उपचार हेतु प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सामरी पहुंचाया जहाँ से नाजुक स्थिति को देखते हुवे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी लाया गया यहां प्राथमिक उपचार के बाद नाजुक हालत को दुखते हुवे तत्काल संजीवनी एक्सप्रेस 108 एम्बुलेंस की मदद से मेडिकल कॉलेज जिला अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया. जिला अस्पताल अंबिकापुर से दाखिल दिनांक को ही बिगड़ती नाजुक हालातो को देखते हुवे रात करीब 11 बजे घायल अजय को डीकेएस सुपर स्पेस्लिस्ट हॉस्पिटल रायपुर रेफर कर दिया गया. जहाँ 23 दिनों से चल रहें ईलाज के दौरान 4 मार्च दिन बुधवार को रायपुर के सुपर स्पेस्लिस्ट हॉस्पिटल में अजय ने दम तोड़ दिया और उसकी मौत हो गई। परिजनों को पोस्टमार्टम के बाद शव सौप दी गई. तथा रायपुर से शव वाहक वाहन की मदद से परिजनों ने मृत अजय का शव गृहग्राम टाटीझरिया लाकर 5 मार्च दिन गुरुवार को सामाजिक रीती रिवाज़ के साथ अंतिम संस्कार कर दिया हैं।

सामरी पुलिस को नहीं मिली सुचना,और ईलाज के दौरान हो गई मौत..इस पुरे मामलें में थाना प्रभारी सामरी विजय सिंह ने कहा इस सड़क दुर्घटना की जानकारी परिजनों ने या किसी भी माध्यम से हमारे तक नहीं पहुंची है। जिस कारण किसी प्रकार का कार्रवाई नहीं किया गया है। सड़क दुर्घटना जैसे गंभीर मामले में अस्पताल द्वारा पुलिस को सूचना दी जाती है या नहीं ÷?÷ इस सवाल पर थाना प्रभारी सामरी ने कहा सड़क दुर्घटना की जानकारी तो दी जाती है चूक कहां से हुई है इसे देखना पड़ेगा। तथा आगे की कार्यवाही जहां मौत हुई है वहीं से प्रारंभ होगी शून्य कायमी कर डायरी सामरी थाने में आएगी जिसके बाद एक्सीडेंटल केस दर्ज किया जाएगा। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कुसमी के प्रभारी बीएमओ सतीश पैकरा से सम्बंधित थाना सुचना दिए जाने के सवाल पर उन्होंने कहाद्द्ध अंबिकापुर जिला अस्पताल से सुचना सम्बंधित थाना को जाता हैं. इसकी जानकारी लेने के बाद ही बता पाउँगा।

घरेलू विवाद के चलते पत्नि की हत्या आरोपी पति गिरफ्तार

बेमेतरा/नांदघाट /मूक पत्रिका

प्रार्थी धर्मेन्द्र घृतलहरे उम्र 27 वर्ष, निवासी सेमरिया,थाना नांदघाट जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि 04 मार्च 2026 को शाम करीबन 04 बजे गांव के भागवत पात्रे आकर बताया कि इसकी पत्नि कुमारी बाई पात्रे के साथ घरेलु वाद-विवाद हो गया था अपनी पत्नि को एक झापड़ गाल में मार कर धक्का दे दिया जिससे वह जमीन में गिर गई थी जिसे उठा कर खाट में लिटाया हूं, बातचीत नहीं कर रही है चलो चलकर देखना कहने पर यह गांव लोगों के साथ जाकर देखे तो मृतिका कुमारी बाई पात्रे के गाल के पास लाल निशान दिख रहा था बातचीत नहीं कर रही थी एंबुलेंस से नवागढ अस्पताल ईलाज हेतु भेजे जहां पर कुमारी बाई पात्रे की मृत्यु हो गई कि रिपोर्ट पर मर्ग, शव पंचनामा कार्यवाही में लिया गया। आरोपी भागवत पात्रे के द्वारा घरेलू बात को लेकर अपनी पत्नि कुमारी बाई पात्रे के साथ वाद विवाद हुए थे जिस कारण से पत्नि को हाथ थप्पड़ डंडा से मारपीट करने से आई चोट से मृत्यु होना पाये जाने पर थाना नांदघाट में अपराध सदर धारा 103(1) ब्छै पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई, जिस पर मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उप महानिरीक्षक रामकृष्ण साहू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरीश कुमार यादव, एसडीओपी बेमेतरा भूषण एक्का के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर को थाना स्टाफ के साथ प्रकरण की विवेचना कार्यवाही में लगाया गया। प्रकरण में विवेचना के दौरान आरोपी भागवत पात्रे निवासी सेमरिया को हिरासत में लेकर पुछताछ करने पर अपना अपराध करना स्वीकार किया गया। आरोपी से पुछताछ करने पर पता चला कि घटना दिनांक को लगभग दोपहर 1 बजे घर में अपनी पत्नि कुमारी बाई से खाने के लिए खाना मांगने पर चिल्ला कर उससे वाद-विवाद करने पर एक झापड़ मारने पर जमीन में गिर जाना। उसके बाद आग जलाने की लकड़ी से मारपीट करने पर पत्नि बेहोश हो गई, जिसे जमीन से उठाकर खाट में लिटाया, गांव वाले ईलाज हेतु शासकीय अस्पताल नवागढ़ लेकर गये जहां कुमारी बाई की मृत्यु हो गई।

अपनी पत्नि कुमारी बाई पात्रे को हाथ थप्पड़, डंडा से मारपीट कर हत्या करना। आरोपी भागवत पात्रे पिता मोहन पात्रे उम्र 55 वर्ष, निवासी सेमरिया थाना नांदघाट जिला बेमेतरा को बीते शुक्रवार को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में न्यायिक रिमांड पर प्रस्तुत किया गया। इस संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी नांदघाट निरीक्षक लेखराम ठाकुर, प्रधान आरक्षक रविन्द्र तिवरी, राजकुमार चौबे, विजय शुक्ला, नैनदास रात्रे, आरक्षक प्रताप सिंह यादव, नरेन्द्र बंजारे, मिथुन चंद्रवंशी, अजय गोयल, संजय साहू सहित थाना नांदघाट के समस्त पुलिस स्टाफ का महत्वपूर्ण एवं सराहनीय योगदान रहा।

तेंदूपत्ता संग्रहकों को नगद भुगतान की मांग, विधायक विक्रम मंडावी ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

पारिश्रमिक बढ़ाने सहित सात मांगें रखीं, बीजापुर के आदिवासी संग्रहकों की समस्याओं से कराया अवगत

विक्रम मण्डावी
विधायक
बीजापुर क्षेत्र क्र.-89

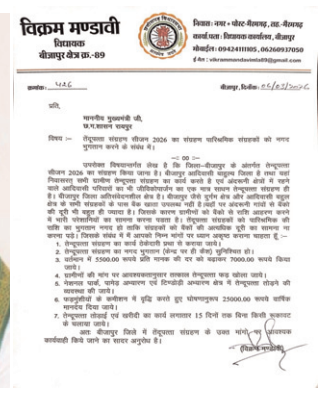

निवास: नगर+पोस्ट-भैरमगढ़, तह.-भैरमगढ़
कार्या.पता: विधायक कार्यालय, बीजापुर
मोबाईल: 09424111105, 06260937050
ई-मेल: vikrammandavimla89@gmail.com

क्रमांक: 426 बीजापुर, दिनांक: 06/03/2026

प्रति,
माननीय मुख्यमंत्री जी,
छ.ग.शासन रायपुर

विषय :- तेंदूपत्ता संग्रहण सीजन 2026 का संग्रहण पारिश्रमिक संग्रहकों को नगद भुगतान करने के संबंध में।

1. तेन्दूपत्ता संग्रहण का कार्य ठेकेदारी प्रथा से कराया जाये।
2. तेन्दूपत्ता संग्रहण का नगद भुगतान (केन्द्र पर ही कैश) सुनिश्चित हो।
3. वर्तमान में 5500.00 रूपये प्रति मानक की दर को बढ़ाकर 7000.00 रूपये किया जाये।
4. ग्रामीणों की मांग पर आवश्यकतानुसार तत्काल तेन्दूपत्ता फड़ खोला जाये।
5. नेशनल पार्क, पामेड़ अभ्यारण एवं टिण्डोड़ी अभ्यारण क्षेत्र में तेन्दूपत्ता तोड़ने की व्यवस्था की जाये।
6. फड़मुंशियों के कमीशन में वृद्धि करते हुए घोषणानुरूप 25000.00 रूपये वार्षिक मानदेय दिया जाये।
7. तेन्दूपत्ता तोड़ाई एवं खरीदी का कार्य लगातार 15 दिनों तक बिना किसी रूकावट के चलाया जाये।

अतः बीजापुर जिले में तेंदूपत्ता संग्रहण के उक्त मांगों पर आवश्यक कार्यवाही किये जाने का सादर अनुरोध है।

(विक्रम मण्डावी)

बीजापुर/मूक पत्रिका

तेंदूपत्ता संग्रहण सीजन 2026 को लेकर बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखकर संग्रहकों की विभिन्न समस्याओं और मांगों से अवगत कराया है। विधायक ने विशेष रूप से तेंदूपत्ता संग्रहकों को पारिश्रमिक का भुगतान नगद करने की मांग उठाई है, ताकि दूरस्थ और अंदरूनी क्षेत्रों में रहने वाले ग्रामीणों को बैंक तक जाने की परेशानी से राहत मिल सके। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में विधायक मंडावी ने कहा कि बीजापुर आदिवासी बाहुल्य जिला है और यहां के अधिकांश ग्रामीण परिवारों की आजीविका का प्रमुख साधन तेंदूपत्ता संग्रहण ही है। जिले के कई गांव दुर्गम और अतिसंवेदनशील क्षेत्रों में स्थित हैं, जहां रहने वाले अनेक संग्रहकों के पास बैंक खाते तक उपलब्ध नहीं हैं। साथ ही कई गांवों से बैंक की दूरी भी काफी अधिक है, जिससे पारिश्रमिक राशि निकालने में ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।विधायक ने मांग की है कि तेंदूपत्ता संग्रहकों को पारिश्रमिक की राशि सीधे फड़ केंद्रों पर नगद भुगतान के रूप में दी जाए, ताकि उन्हें बैंकों की दूरी और अन्य परेशानियों से जूझना न पड़े। इसके साथ ही विधायक विक्रम मंडावी ने मुख्यमंत्री के समक्ष सात प्रमुख मांगें भी रखी हैं। इनमें तेंदूपत्ता संग्रहण का कार्य ठेकेदारी प्रथा से कराए जाने, संग्रहकों को नगद भुगतान सुनिश्चित करने, वर्तमान 5500 रुपये प्रति मानक की दर को बढ़ाकर 7000 रुपये किए जाने, ग्रामीणों की मांग के अनुसार तत्काल फड़ खोले जाने, नेशनल पार्क पामेड़ अभ्यारण और टिण्डोड़ी अभ्यारण क्षेत्र में तेंदूपत्ता तोड़ने की व्यवस्था करने, फड़मुंशियों के कमीशन में वृद्धि कर उन्हें वार्षिक 25 हजार रुपये मानदेय देने तथा तेंदूपत्ता तोड़ाई और खरीदी का कार्य लगातार 15 दिनों तक बिना रुकावट चलाने की मांग शामिल है। विधायक विक्रम मंडावी ने विश्वास जताया है कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बीजापुर जिले के आदिवासी संग्रहकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए इन मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेंगे, जिससे हजारों तेंदूपत्ता संग्रहकों को राहत मिल सकेगी।

महतारी वंदन योजना से सुरेखा वर्मा को मिला आत्मनिर्भर बनने का संबल, हर माह मिलने वाली सहायता राशि से घर की जरूरतें हो रहीं पूरी, बढ़ा आत्मविश्वास

बेमेतरा/मूक पत्रिका

राज्य शासन की महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से महिलाओं को हर माह मिलने वाली आर्थिक सहायता से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में नगर पालिका बेमेतरा के वार्ड क्रमांकङ्क2 की निवासी सुरेखा वर्मा भी इस योजना से लाभान्वित होकर अपने जीवन में नया आत्मविश्वास महसूस कर रही हैं। सुरेखा वर्मा बताती हैं कि पहले परिवार की आर्थिक स्थिति सामान्य थी और घर के दैनिक खर्चों को पूरा करना कई बार चुनौतीपूर्ण हो जाता था। घर की जिम्मेदारियों के बीच अपने स्तर पर आर्थिक सहयोग करना उनके लिए आसान नहीं था। ऐसे में जब उन्हें महतारी वंदन योजना के बारे में जानकारी मिली और उन्होंने इस योजना के लिए आवेदन किया, तो उनके जीवन में उम्मीद की एक नई किरण जगी। योजना के अंतर्गत हर माह मिलने वाली सहायता राशि ने सुरेखा वर्मा के जीवन को नई दिशा दी है। अब उन्हें हर महीने मिलने वाली इस राशि से घर के छोटे-छोटे खर्चों को पूरा करने में काफी मदद मिल रही है। वे इस राशि का उपयोग घर के लिए आवश्यक सामान की खरीदारी, बच्चों की जरूरतों को पूरा करने और अन्य दैनिक खर्चों में सहयोग के रूप में कर रही हैं। सुरेखा वर्मा कहती हैं कि पहले उन्हें लगता था कि वे परिवार की आर्थिक जिम्मेदारियों में अधिक सहयोग नहीं कर पातीं, लेकिन अब जब हर महीने उनके खाते में योजना की राशि आती है तो उन्हें गर्व महसूस होता है कि वे भी अपने परिवार की जिम्मेदारियों में भागीदार बन रही हैं। इससे उनके आत्मसम्मान और आत्मविश्वास में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वे बताती हैं कि महतारी वंदन योजना ने केवल आर्थिक सहायता ही नहीं दी है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी दी है। आज वे पहले से अधिक आत्मविश्वास के साथ अपने परिवार की जरूरतों का ध्यान रख पा रही हैं और अपने जीवन में सकारात्मक बदलाव महसूस कर रही हैं। सुरेखा वर्मा ने इस जनकल्याणकारी योजना के लिए राज्य शासन एवं मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महतारी वंदन योजना प्रदेश की लाखों महिलाओं के जीवन में नई आशा और विश्वास का संचार कर रही है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित कर रही है।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर जिला स्तरीय महिला सम्मेलन/महिला मड़ई 8 मार्च को

बेमेतरा/मूक पत्रिका

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जिले में जिला स्तरीय महिला सम्मेलन एवं महिला मड़ई कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यक्रम दिनांक 08 मार्च 2026, रविवार को दोपहर 12:00 बजे से टाऊन हॉल, बेमेतरा में आयोजित होगा।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बेमेतरा विधायक श्री दीपेश साहू उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में जिले की विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों, महिला संगठनों एवं बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता रहेगी।इस अवसर पर महिलाओं के सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता तथा शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी। साथ ही महिला समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी एवं महिला मड़ई का भी आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन द्वारा जिले की सभी महिलाओं, स्व-सहायता समूहों एवं आम नागरिकों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को उत्साहपूर्वक मनाने की अपील की गई है।

भैरमगढ़ के अंकित सकनी ने PSC सिविल सर्विस 2025 में पाई सफलता, 816वीं रैंक से बढ़ाया जिले का मान

CIVIL SERVICES (MAIN) EXAMINATION 2025

S.NO.	ROLL NO.	NAME
811	3409679	YASSAR AHMED BHAT
812	5407756	BOSEKAR BHIKAN JAG
813	0111561	SNEH PATEL
814	0804838	JAISH KUMAR
815	0311143	KARAN KUMAR
816	4904997	ANKIT SAKNI
817	0506705	PRATHAMESH DILIP SH
818	0826037	AMAN KASHYAP
819	6310750	PEEYUSH DUBEY
820	3402033	ABHISHEK KUMAR DH
821	1202532	NISHANTH T
822	1414454	SAUMYA GARBYAL
823	1006955	ESLAVATH SRI RAM H
824	4400209	RAHUL MOIRANGTHEM
825	2639937	SWARNIM
826	6311357	ANKIT
827	1130957	SATYENDRA KUMAR M

बीजापुर/मूक पत्रिका

आशीष पदमवार । संघ लोक सेवा आयोग (UPSC) ने सिविल सर्विस परीक्षा 2025 का अंतिम परिणाम घोषित कर दिया है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में जिले के भैरमगढ़ निवासी अंकित सकनी ने 816वीं रैंक हासिल कर सफलता प्राप्त की है। अंकित, सकनी चन्द्रया के पुत्र हैं। उनकी इस उपलब्धि से पूरे जिले और परधान समाज में खुशी और गर्व का माहौल है। अंकित सकनी के पिता सकनी चन्द्रया और माता जमुना सकनी दोनों ही लंबे समय से राजनीति से जुड़े रहे हैं। राजनीतिक परिवार से आने के बावजूद अंकित ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है। देश की सबसे कठिन परीक्षाओं में गिनी जाने वाली यूपीएससी सिविल सर्विस परीक्षा में उनकी सफलता को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। जैसे ही परिणाम घोषित हुआ, भैरमगढ़ और आसपास के इलाकों में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजनों, मित्रों और समाज के लोगों ने फोन कॉल और संदेशों के जरिए अंकित और उनके परिवार को बधाई दी। कई लोगों ने इसे जिले के लिए गर्व का पल बताया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अंकित की सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगी और इससे कई युवा सिविल सेवा जैसी बड़ी परीक्षाओं की तैयारी के लिए आगे आएंगे।

हिंडाल्को द्वारा बना शौचालय बना शोपीस, स्वच्छ भारत मिशन पर उठे सवाल

टाटीझरिया में स्वच्छ भारत मिशन की खुली पोल, लाखों की शौचालय बनी बेकार

कुसमी/मूक पत्रिका

विकासखंड अंतर्गत के टाटीझरिया गांव में स्वच्छ भारत मिशन के तहत बनाए गए शौचालय अब शोपीस बनकर रह गए हैं। बताया जा रहा है, कि हिंडाल्को कंपनी के सहयोग से लाखों रुपये की लागत से शौचालयों का निर्माण कराया गया था, लेकिन वर्तमान में इनका उपयोग नहीं हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है, कि कई शौचालय अधूरे हैं या उपयोग के लायक नहीं हैं, जिसके कारण लोग मजबूरी में खुले में शौच करने को विवश हैं। इस स्थिति ने स्वच्छ भारत मिशन के दावों पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। दरअसल देशभर में स्वच्छ भारत मिशन के तहत करोड़ों शौचालय बनाए गए, लेकिन कई जगह रखरखाव, पानी की कमी या अधूरे निर्माण के कारण उनका उपयोग नहीं हो पाता। टाटीझरिया के ग्रामीणों ने प्रशासन से अपनी बात मीडिया से साझा की है, कि शौचालयों की स्थिति की जांच कर उन्हें उपयोग योग्य बनाया जाए, ताकि गांव को स्वच्छ बनाने के उद्देश्य को पूरा किया जा सके।

इस संबंध में हिंडाल्को के सीएसआर प्रमुख विजय मिश्रा को फोन कर जानकारी चाही गई किंतु हर बार की तरह गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाते हुए, फोन का कोई प्रतिक्रिया नहीं दिया गया।

दूरस्थ जंगलों में पहुंचा प्रशासन का संवेदनशील चेहरा, कलेक्टर-एसपी ने घर-घर जाकर जाना हाल

जब बाइक पर सवार होकर पहुंचे कलेक्टर-एसपी, जहाँ सड़क मार्ग भी मुश्किल, वहाँ बाइक से पहुंचे अधिकारी

ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर किया समाधान

करीगुण्डम और निमलगुड़ा में विकास की नई उम्मीद

सुकमा/मूक पत्रिका

जिले के दूरस्थ और दुर्गम इलाकों तक शासन की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अमित कुमार और पुलिस अधीक्षक श्री किरण चव्हाण ने कोंटा विकासखंड के अंतिम छोर पर स्थित करीगुण्डम और निमलगुड़ा गांवों का दौरा किया। नदी-नालों और घने जंगल-झाड़ियों को पार करते हुए कलेक्टर सहित प्रशासनिक अमला बाइक से गांवों तक पहुंचा और ग्रामीणों के बीच चौपाल लगाकर मूलभूत सुविधाओं की स्थिति की समीक्षा की। दौरे के दौरान कलेक्टर श्री अमित कुमार और एसपी श्री किरण चव्हाण सीधे ग्रामीणों के घरों तक पहुंचे और उनसे संवाद कर शासन की योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी ली। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण, शौचालय निर्माण तथा अन्य विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को निर्माण कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। कलेक्टर के साथ जिला पंचायत सीईओ श्री मुकुन्द ठाकुर और डीएफओ श्री अक्षय भोंसले भी मौजूद रहे। इस दौरान शिक्षित स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मौके पर ही शिक्षादूत, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, फड़ मुंशी, सेल्समैन और आंगनबाड़ी सर्वेक्षक जैसे पदों पर शिक्षित युवाओं को चिन्हांकित कर नियुक्ति की प्रक्रिया प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। प्रशासन की इस पहल से युवाओं में उत्साह और खुशी का माहौल देखा गया। कलेक्टर ने स्व सहायता समूहों को सशक्त बनाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए बताया कि शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर क्षेत्र में ईमली की खरीदी स्व सहायता समूहों के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा की जाएगी, जिससे ग्रामीणों और समूहों को आर्थिक लाभ मिलेगा। राशन वितरण की व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने राशन वितरण में नियमितता और पारदर्शिता लाने के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने इस दौरान पेयजल और बिजली व्यवस्था को और बेहतर बनाने की मांग रखी, जिस पर कलेक्टर ने संबंधित विभागों को त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। निमलगुड़ा गांव में विकास कार्यों को गति देने के लिए कलेक्टर ने तालाब गहरीकरण, भूमि समतलीकरण, देवगुड़ी निर्माण और सड़क निर्माण के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। ग्रामीणों से संवाद के दौरान कलेक्टर ने पूछा कि उन्हें नियमित रूप से राशन मिल रहा है या नहीं, सभी का आधार कार्ड और आयुष्मान कार्ड बना है या नहीं, बैंक खाते खुले हैं या नहीं, वन उपज संग्रहण हो रहा है या नहीं तथा प्रसव के लिए अस्पताल जाते हैं या नहीं। ग्रामीणों ने अधिकांश व्यवस्थाओं के संतोषजनक होने की जानकारी दी। प्रशासनिक टीम के इस दौरे से दूरस्थ गांवों में शासन के प्रति विश्वास और सकारात्मक माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने पहली बार वरिष्ठ अधिकारियों को अपने घर तक पहुंचते देख खुशी जताई और विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

रियलमी सी 83 5जी 13,499 रुपये के शुरुआती मूल्य में लॉन्च हुआ

नई दिल्ली: भारतीय युवाओं के सबसे पसंदीदा स्मार्टफ़ोन ब्रांड, रियलमी ने आज अपनी सी-सीरीज़ में रियलमी सी83 5जी का लॉन्च किया, जो लंबी बैटरी लाईफ़, अल्ट्रा-स्मूथ विज़्युअल और भरोसेमंद 5जी परफ़ॉर्मेंस प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यह स्मार्टफ़ोन उन यूज़र्स के लिए है, जो एंड्योरेंस के साथ विश्वसनीयता पसंद करते हैं। इसलिए रियलमी सी83 5जी में सेगमेंट की सबसे शक्तिशाली 7000 एम.एम.एच बैटरी के साथ 144 हर्ट्ज़ का डिस्प्ले दिया गया है, जो 4 साल तक स्मूथ परफ़ॉर्मेंस प्रदान करेगा। लंबे समय तक स्मूथनेस के साथ सेगमेंट की सबसे शक्तिशाली 7000 एम.ए.एच की टाईटन बैटरी रियलमी सी83 5जी में अपने सेगमेंट की सबसे शक्तिशाली 7000 एम.ए.एच की टाईटन बैटरी दी गई है, जो पूरे दिन तक आराम से चलती है। यह 15 वॉट पीडी और 15 वॉट डीसीपी चार्जिंग को सपोर्ट करती है। इसलिए यह 180 मिनट में पूरी चार्ज हो जाती है तथा अन्य डिवाईस को पॉवर प्रदान करने के लिए इसमें 5 वॉट की वायर्ड रिवर्स चार्जिंग भी है।

सैमसंग की गैलेक्सी एस 26 सीरीज़ से प्राइवेसी और एजेंटिक एआई के नए दौर की शुरुआत : जेबी पार्क

गुरुग्राम। सैमसंग ने अपना नया फ्लैगशिप स्मार्टफ़ोन गैलेक्सी एस 26 अल्ट्रा पेश किया है। इस स्मार्टफ़ोन में दिया गया नया 'प्राइवेसी डिस्प्ले' फ़ीचर पूरी टेक दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है और इसे हर तरफ़से काफ़ी सराहना मिल रही है। सैमसंग साउथवेस्ट एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ जेबी पार्क ने कहा कि यह उद्योग में अपनी तरह का पहला फ़ीचर है, जो स्मार्टफ़ोन इंडस्ट्री में प्राइवेसी के एक नए दौर की शुरुआत करता है। उन्होंने कहा, चूंकि अब हम एआई के दौर में हैं, इसलिए गैलेक्सी एस 26 सीरीज़ में प्राइवेसी को और भी बेहतर बनाया गया है। थर्ड-पार्टी फ़िल्टर के विपरीत, 'प्राइवेसी डिस्प्ले' सीधे स्क्रीन के अंदर ही शामिल है। इससे रोजमर्रा के इस्तेमाल में स्क्रीन देखने का अनुभव पहले जैसा ही शानदार रहता है, जबकि साइड एंगल से स्क्रीन पर क्या चल रहा है, यह दिखाई नहीं देता। यूजर प्राइवेसी को स्क्रीन के किसी खास हिस्से तक सीमित कर सकते हैं या यह भी तय कर सकते हैं कि यह फ़ीचर कब सक्रिय हो। इससे आपकी प्राइवेसी की सुरक्षा बहुत ही सहज और आसान हो जाती है।

सैमसंग गैलेक्सी S26 अल्ट्रा को मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2026 में 'बेस्ट इन शो' अवॉर्ड मिला

नईदिल्ली। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने आज घोषणा की है कि उसके फ्लैगशिप स्मार्टफोन सैमसंग गैलेक्सी S26 अल्ट्रा को ग्लोबल मोबाइल अवार्ड्स में 'बेस्ट इन शो' के सम्मान से नवाज़ा गया है। यह पुरस्कार बार्सिलोना में आयोजित मोबाइल वर्ल्ड कांग्रेस 2026 के दौरान दिया गया। इन पुरस्कारों का आयोजन हर साल ग्लोबल मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन द्वारा किया जाता है, जो मोबाइल उद्योग में बेहतरीन नवाचारों को मान्यता देता है। 'बेस्ट इन शो' श्रेणी उन उपभोक्ता-केंद्रित उत्पादों को सम्मानित करती है जो तकनीक के क्षेत्र में नए मानक स्थापित करते हैं। इसे उद्योग के सबसे बड़े सम्मानों में से एक माना जाता है। 200 से अधिक अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों, पत्रकारों और विशेषज्ञों की जूरी द्वारा चुने जाने के कारण इन डिवाइस को डिजिटल जगत का गोल्ड स्टैंडर्ड माना जाता है। सैमसंग गैलेक्सी S26 अल्ट्रा: बेस्ट इन शो 4 मार्च को आयोजित पुरस्कार समारोह में, गैलेक्सी S26 अल्ट्रा ने बेस्ट इन शो का खिताब जीता। जूरी के अनुसार, गैलेक्सी S26 अल्ट्रा को यह पुरस्कार उसके उन्नत हार्डवेयर और One UI 8.5 सॉफ्टवेयर के सहज मेल के लिए दिया गया है। इसमें मौजूद गैलेक्सी AI उपयोगकर्ता की जरूरतों को समझते हुए रोज़मर्रा के कामों को आसान बनाता है और साथ ही सुरक्षा व गोपनीयता का भी पूरा ध्यान रखता है। ये खूबियां मिलकर सबसे सहज मोबाइल एआई अनुभव प्रदान करती हैं।

व्हाइट हाउस का बड़ा बयान- ईरानी आसमान पर जल्द अमेरिका का नियंत्रण होगा

होर्मुज पर दिए यह संकेत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की तरफ से ईरान के खिलाफ कोई नरमी नहीं बरती जा रही है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने प्रेस वार्ता में बताया कि जल्द ही अमेरिकी सेना ईरान के हवाई क्षेत्र पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लेगी। उन्होंने इस दौरान हॉर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर भी टिप्पणी की है। अमेरिका ने दावा किया है कि ईरान के खिलाफ चलाए जा रहे सैन्य अभियान में उसे बड़ी सफलता मिल रही है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में ईरान के आतंकी शासन को कड़ा जवाब दिया जा रहा है और उसके सैन्य ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया गया है। लेविट के अनुसार अमेरिका ने ऑपरेशन एपिक फ्यूरी नाम का सैन्य अभियान शुरू किया है। इस अभियान

का मुख्य लक्ष्य ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता को खत्म करना, उसके मिसाइल उद्योग को पूरी तरह नष्ट करना और ईरानी नौसेना को कमजोर करना है। उन्होंने कहा कि अब तक अमेरिकी सेना ईरान के 20 से ज्यादा जहाजों को नष्ट कर चुकी है, जिनमें उसका एक प्रमुख पनडुब्बी भी शामिल है। इस हमले में पहली बार द्वितीय विश्व युद्ध के बाद टॉरपीडो का इस्तेमाल किया गया।

व्हाइट हाउस का दावा है कि इस समय अरब सागर, हॉर्मुज जलडमरूमध्य और ओमान की खाड़ी में कोई भी ईरानी जहाज सक्रिय नहीं है। लेविट ने कहा कि आने वाले कुछ घंटों में अमेरिकी सेना ईरान के आसमान पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लेगी। इसके बाद सेना चिन्हित सैन्य ठिकानों पर बड़े हमले करेगी। उन्होंने कहा कि अमेरिका का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि ईरान कभी भी परमाणु हथियार हासिल न कर सके। उनके मुताबिक अमेरिका ने पहले ईरान के साथ बातचीत की कोशिश भी की थी और प्रतिबंध हटाने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन ईरान ने उसे ठुकरा दिया। लेविट ने यह भी कहा कि अमेरिका के पास पर्याप्त हथियार और गोला-बारूद मौजूद है और जरूरत पड़ने पर सैन्य कार्रवाई और आगे बढ़ाई जा सकती है। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि यूरोपीय देश भी इस अभियान में अमेरिका का सहयोग करेंगे। व्हाइट हाउस के अनुसार इस कार्रवाई से दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति भी सुरक्षित होगी, क्योंकि ईरान अब हॉर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल की आपूर्ति को नियंत्रित नहीं कर पाएगा। यह रास्ता दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल व्यापार के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है।

प्रोटीन आंदोलन को गांव-गांव पहुंचा रहा आईबी ग्रुप

रायपुर। देश की तस्वीर बदल रही है। जो चर्चा कभी महानगरों के सेमिनारों और स्वास्थ्य मंचों तक सीमित थी, वह अब गांव की चौपाल और कस्बों की गलियों तक पहुंच चुकी है। संतुलित आहार, प्रतिरोधक क्षमता और दैनिक प्रोटीन की आवश्यकता अब आम परिवारों की बातचीत का हिस्सा बन रही है। आईबी ग्रुप के प्रबंध निदेशक बहादुर अली ने कहा, हमारा लक्ष्य एक ऐसा प्रोटीन इकोसिस्टम बनाना है, जो गांव के फार्म को परिवार की थाली से जोड़े और हर घर को सुलभ पोषण उपलब्ध कराए। जब बच्चों को पर्याप्त प्रोटीन मिलेगा, महिलाएं मजबूत होंगी और परिवार स्वस्थ रहेंगे, तभी राष्ट्र सशक्त बनेगा। ग्रामीण उत्पादन केंद्रों से लेकर संगठित शहरी वितरण तक, आईबी ग्रुप का यह मॉडल कृषि, स्वास्थ्य और आर्थिक विकास को एक साथ आगे बढ़ाने की सोच को साकार करता है। यह एक कॉरपोरेट पहल नहीं, बल्कि भारत को पोषण के मोर्चे पर आत्मनिर्भर बनाने की एक दीर्घकालिक प्रतिबद्धता है; एक ऐसा आंदोलन, जो देश की सेहत और भविष्य दोनों को मजबूत कर रहा है, आगे उन्होंने कहा। फिर भी सच्चाई यह है कि आज भी करीब 73 प्रतिशत महिलाएं, पुरुष, बच्चे और युवा प्रोटीन की कमी से जूझ रहे हैं। यही वह अंतर है जिसे पाटने के लिए ज़मीन पर उतरकर काम करने की जरूरत थी। इसी दिशा में आईबी ग्रुप ने 'हर घर हर दिन चिकन प्रोटीन' अभियान की शुरुआत की; एक ऐसा जनआंदोलन, जो जागरूकता के साथ समाधान भी लेकर आया। अभियान के तहत 2,500 से अधिक तहसीलों में पहुंचकर लोगों को सरल भाषा में समझाया गया कि शरीर की मजबूती, बच्चों की सही वृद्धि और महिलाओं के बेहतर स्वास्थ्य के लिए प्रोटीन अनिवार्य है। कंपनी ने यह तथ्य सामने रखा कि 100 ग्राम एबीआईएस चिकन में लगभग 27 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाला प्रोटीन होता है, एक ऐसा स्रोत जो किफायती भी है और सुलभ भी। आईबी ग्रुप ने खेत से लेकर परिवार की थाली तक एक सशक्त और पारदर्शी तंत्र विकसित किया है।

क्या अब थमेगा संघर्ष

पाकिस्तान-अफगान सीमा तनाव- छह दिन से जारी जंग के बीच तुर्किये ने की मध्यस्थता की पेशकश

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर झड़पें छठे दिन भी जारी हैं। अफगान हमलों के बाद पाकिस्तान ने सैन्य अभियान शुरू कर खुले युद्ध जैसी स्थिति बताई है। बढ़ते तनाव के बीच अब तुर्किये ने इस संघर्ष को खत्म करने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की है। तुर्किये का कहना है कि वह दोनों देशों के बीच नया युद्धविराम कराने की कोशिश करेगा। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर जारी झड़पें अब

छठे दिन में पहुंच गई हैं। हमले जारी है। इसी बीच अब इस मामले में तुर्किये की एंट्री हुई है। तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच नया युद्धविराम कराने के लिए मध्यस्थता की पेशकश की है। बता दें कि संघर्ष की शुरुआत पिछले हफ्ते हुई, जब अफगानिस्तान ने गुरुवार को पाकिस्तान पर हमले किए। यह हमला पाकिस्तान द्वारा पिछले सप्ताहांत किए गए हवाई हमलों के जवाब में बताया गया। इसके बाद पाकिस्तान ने सीमा पर सैन्य अभियान शुरू कर दिया और कहा कि वह अफगानिस्तान के साथ खुले युद्ध जैसी स्थिति में है। इससे अंतरराष्ट्रीय समुदाय में चिंता बढ़ गई है। इससे पहले दोनों देशों के बीच अक्तूबर 2024 में कतर और तुर्किये की मदद से युद्धविराम हुआ था।

ईरान युद्ध पर अमेरिका का बड़ा कबूलनामा; रक्षा मंत्री हेगसेथ बोले- हर मिसाइल रोक पाना संभव नहीं

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने स्वीकार किया है कि ईरान की ओर से दागी जाने वाली हर मिसाइल या ड्रोन को रोक पाना संभव नहीं है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी सेना की ताकत और तकनीक इतनी मजबूत है कि ईरान के हवाई क्षेत्र पर धीरे-धीरे अमेरिका का नियंत्रण बढ़ता जा रहा है। पेंटागन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका ने अपने सैनिकों और सहयोगी देशों की सुरक्षा के लिए हवाई रक्षा प्रणाली को मजबूत करने में कोई कमी नहीं छोड़ी है। उन्होंने कहा कि हमला शुरू करने से पहले ही अधिकतम सुरक्षा व्यवस्था कर दी गई थी, ताकि सैनिकों को नुकसान कम से कम हो।

अमेरिकी सेना के शीर्ष अधिकारी और ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैन कैन ने भी साफ कहा कि अमेरिकी सैनिक अभी भी खतरे में हैं। उन्होंने कहा कि युद्ध के दौरान जोखिम पूरी तरह खत्म नहीं

होता और स्थिति को गंभीरता से देखने की जरूरत है। रविवार को कुवैत के एक नागरिक बंदरगाह क्षेत्र में ईरानी ड्रोन हमले में छह अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई थी। यह हमला सेना के मुख्य बेस से करीब 10 मील दूर एक ऑपरेशन सेंटर पर हुआ था। बताया गया कि यह केंद्र शिपिंग कंटेनर जैसी इमारत में बना था और वहां मजबूत सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी।

जब पत्रकारों ने पूछा कि क्या अमेरिका ईरान में जमीनी सैनिक भेज सकता है, तो जनरल कैन ने इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने भी कहा कि फिलहाल यह योजना का हिस्सा नहीं है, लेकिन राष्ट्रपति के सामने मौजूद किसी विकल्प को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता।

युद्ध 3 हफ्ते से लेकर 2 महीने तक चल सकता है- हेगसेथ

रक्षा मंत्री हेगसेथ ने संकेत दिया कि यह संघर्ष पहले की उम्मीद से ज्यादा लंबा चल सकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध तीन हफ्ते से लेकर आठ हफ्ते तक भी चल सकता है। उनके अनुसार युद्ध की अवधि इस बात पर निर्भर करेगी कि हालात किस दिशा में बढ़ते हैं। उन्होंने कहा कि अभी युद्ध की गति और रणनीति अमेरिका तय कर रहा है और ईरान दबाव में है। हेगसेथ ने बताया कि अमेरिका लगातार इस क्षेत्र में अतिरिक्त लड़ाकू विमान और बमवर्षक भेज रहा है, ताकि अभियान को मजबूत बनाया जा सके। हेगसेथ और जनरल कैन दोनों ने कहा कि अमेरिकी सेना के पास हथियारों और गोला-बारूद की कोई कमी नहीं है। उन्होंने बताया कि युद्ध की शुरुआत में अमेरिका ने अत्याधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया था, लेकिन अब जब ईरान के आसमान पर नियंत्रण बढ़ गया है तो पारंपरिक लेकिन सटीक बमों का इस्तेमाल किया जा रहा है। जनरल कैन के अनुसार अमेरिकी हमलों ने ईरान के कई मिसाइल ठिकानों और सैन्य लक्ष्यों को नुकसान पहुंचाया है। इसी वजह से अब अमेरिकी विमान ईरान के अंदरूनी इलाकों तक जाकर हमला कर पा रहे हैं। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार युद्ध की शुरुआत की तुलना में ईरान द्वारा दागी जा रही बैलिस्टिक मिसाइलों की संख्या में

पश्चिम एशिया संकट- हिंद महासागर में अमेरिका ने डुबोया ईरानी युद्धपोत, बढ़ता टकराव भारत के लिए चिंताजनक कैसे?

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष ने खाड़ी देशों के साथ दुनियाभर की चिंता बढ़ा दी है। ऐसे में अब इसका असर भारत पर कैसे पड़ने वाला है? यह सवाल आज इसलिए उठ रहा है, क्योंकि अमेरिकी पनडुब्बी ने हिंद महासागर में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से ध्वस्त कर दिया। ईरान के इस युद्धपोत का तार भारत के साथ कैसे जुड़ा है और यह घटना भारत के सामरिक और समुद्री हितों को खतरे में कैसे डाल सकती है? आइए यहां समझते हैं। दुनिया की राजनीति अब अत्यधिक खतरनाक मोड़ पर पहुंच गई है। इसका कारण है कि अमेरिका और इस्राइल का ईरान पर किए गए हमले और फिर ईरान की ओर से जवाबी कार्रवाई ने खाड़ी देशों के साथ-साथ दुनियाभर की राजनीति में चिंता पैदा कर दी है। इस आधार पर यह कहना गलत नहीं होगा कि इस युद्ध की आग से उठे लपेटें ने सिर्फ पश्चिम एशिया ही नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया और अब भारतीय महासागर के पानी में भी उबाल आ गया है। तनाव इतना बढ़ चुका है कि एक अंतरराष्ट्रीय शक्ति ने टॉरपीडो तक चलाकर अपनी ताकत दिखा दी, जिससे भारत में चर्चा तेज हो गई है। आइए जानते हैं कि पश्चिम एशिया का युद्ध अब भारत के दरवाजे तक पहुंच गया? पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच अमेरिकी

पनडुब्बी ने बुधवार को अंतरराष्ट्रीय जल में ईरानी युद्धपोत आईआरआईएस देना को टॉरपीडो से निशाना बनाया और ध्वस्त कर दिया। इस हमले से जहाज का मुख्य ढांचा टूट गया, जिससे बचाव दल को कोई जहाज नहीं मिला। गौर करने वाली बात यह है कि यह अमेरिका की द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली टॉरपीडो से युद्धपोत पर किया गया हमला है। भारत में आंध्र प्रदेश के विशाखपटनम के विजाग से लौट रही थी, जहां उसने मिलान अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक अभ्यास और बंगाल की खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक रिव्यू में हिस्सा लिया था। हमला श्रीलंका के दक्षिणी तट के पास अंतरराष्ट्रीय जल में हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, जहाज पर लगभग 87 लोग मारे गए जबकि श्रीलंका की नौसेना ने लगभग 30 नाविकों को बचाया और उन्हें गाले, श्रीलंका के अस्पताल में भर्ती कराया। बता दें कि यह हमला दर्शाता है कि अमेरिकी नौसेना अब भारतीय महासागर में भारी उपस्थिति बनाए हुए है। इस क्षेत्र में अमेरिका की पांचवीं फ्लेट, जो बहरीन में मुख्यालय रखती है, सबसे सक्रिय है। इसमें नाभिकीय पनडुब्बियां और बड़े युद्धपोत शामिल होते हैं। ऐसे में इस घटना ने भारत की सुरक्षा चिंता को बढ़ा दिया है। मामले में पूर्व नौसेना प्रमुख अधिरामन प्रकाश ने कहा कि यह दिखाता है कि ईरान-अमेरिका-इस्राइल युद्ध अब भारत के दरवाजे तक आ गया है। वहीं विशेषज्ञों का कहना है कि भारत को अपनी सुरक्षा और रणनीतिक हितों के लिए स्वतंत्र और समझदारी से कदम उठाने होंगे।

● खाड़ी देशों की पहली आपात बैठक से यूएई भी जुड़ा

पश्चिम एशिया में शांति कब-कैसे चीन विशेष मध्यस्थता दूत भेजेगा

दुबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया इस समय विस्फोटक हालात से गुजर रहा है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान की टकराहट ने पूरे क्षेत्र को युद्ध की दहलीज पर ला खड़ा किया है। तनाव इतना बढ़ गया कि खाड़ी देशों को पहली बार आपात बैठक करनी पड़ी, जिसमें यूएई भी शामिल हुआ। वहीं चीन ने भी साफ कर दिया है कि वह चुप नहीं बैठेगा और संकट सुलझाने के लिए अपना विशेष दूत भेजेगा। पश्चिम एशिया बीते कई दिनों से बारूद के ढेर पर खड़ा है। अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच बढ़ती तनातनी ने पूरे क्षेत्र को जंग के मुहाने पर ला दिया है। हालात इतने विस्फोटक हो चुके हैं कि शांति की कोशिशों के लिए खाड़ी देशों को पहली बार संयुक्त आपात बैठक बुलानी पड़ी, जिसमें संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भी शामिल हुआ। दूसरी ओर चीन ने साफ संकेत दिया है कि वह इस पूरे मामले में तमाशबीन नहीं रहेगा और मध्यस्थता के लिए अपना विशेष दूत मैदान में उतारेगा। सबसे पहले बात अगर खाड़ी देशों

की अहम बैठक की करें तो, यूएई ने इसमें हिस्सा लिया और इस बैठक में यूएई का प्रतिनिधित्व उसके गृह मंत्री ने किया। यह बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित की गई थी। यह अपनी तरह की पहली संयुक्त आपात बैठक थी, जिसमें खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के सदस्य देशों के आपातकाल, संकट और आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारी और ऑपरेशन रूम के अधिकारी शामिल हुए।

यूएई के गृह मंत्री ने क्या कहा? इस बैठक को लेकर यूएई के गृह मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि यह बैठक क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता को मजबूत करने के लिए संयुक्त प्रयासों का हिस्सा है। इसका मकसद मौजूदा हालात और अलग-अलग तरह की आपात चुनौतियों से निपटने के लिए तैयारी को और बेहतर बनाना है। उन्होंने जोर दिया कि बैठक के दौरान अधिकारियों ने इस बात पर चर्चा की कि विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच पहले से मौजूद समन्वय को और कैसे मजबूत किया जाए।

नेपाल में क्या हैं इस चुनाव के मुद्दे- पीएम पद के लिए किसके बीच मुकाबला, कौन से अहम चेहरे मैदान में

नेपाल, एजेंसी। नेपाल के चुनाव में इस बार कौन सी पार्टियां मैदान में हैं? इस चुनाव में प्रधानमंत्री पद के लिए कौन-कौन ताल ठोंक रहा है? इस चुनाव में मुद्दे क्या हैं? वह कौन सी सीटें हैं, जहां चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी? आइये जानते हैं... नेपाल में गुरुवार (5 मार्च) को होने वाले चुनावों के लिए देश के सियासी दलों ने कमर कस ली है। सितंबर में जेन जेड की ओर से किए गए प्रदर्शनों के बाद अब यह पहला चुनाव है। एक ओर जहां इस चुनाव में कुछ नई पार्टियां युवाओं के वोटों को हासिल कर नेपाल की राजनीतिक पृष्ठभूमि को बदलने के लिए संघर्ष करेंगी तो कुछ पुराने दल इस चुनाव में अपनी वैधता की लड़ाई जारी रखेंगे। इनमें से कई पार्टियां तो अपना राष्ट्रीय दर्जा तक बचाने की जंग में होंगी। ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर नेपाल के चुनाव में इस बार कौन सी पार्टियां मैदान में हैं? इस चुनाव में प्रधानमंत्री पद के लिए कौन-कौन ताल ठोंक रहा है? इस चुनाव में मुद्दे क्या हैं? वह कौन सी सीटें हैं, जहां चुनाव पर पूरी दुनिया की नजर रहेगी? आइये जानते हैं... नेपाल के आम चुनावों में प्रधानमंत्री पद के लिए मुख्य रूप से चार बड़े नेता ताल ठोंक रहे हैं। हालांकि, अलग-अलग सर्वे एजेंसियों का मानना है कि मुख्य मुकाबला जेन जेड प्रदर्शनों के बाद उभरे बालेन्द्र शाह और इस प्रदर्शन के बाद पद छोड़ने को मजबूर हुए केपी शर्मा ओली के बीच ही होगा।

35 वर्षीय बालेन का जन्म 1990 में काठमांडू में हुआ था, जब नेपाल में माओवादी गृहयुद्ध चल रहा था। पेशे से वह एक सिविल इंजीनियर हैं और राजनीति में आने से पहले एक अंडरग्राउंड हिप-हॉप आर्टिस्ट (रैपर) हुआ करते थे। उनके गानों में अक्सर भ्रष्टाचार और असमानता का कड़ा विरोध देखने को मिलता था, जिससे उन्हें युवाओं के बीच खासी पहचान मिली।

संगीत से मिली अपनी लोकप्रियता को उन्होंने राजनीति में मोड़ा और 2022 में काठमांडू के पहले निर्दलीय मेयर चुने गए। मेयर के रूप में उन्होंने टैक्स चोरी, ट्रैफिक जाम और कचरा प्रबंधन जैसे मुद्दों पर कड़े फैसले लिए और एक स्पष्टवादी सुधारक की छवि बनाई। सितंबर 2025 के युवाओं के प्रदर्शनों का समर्थन करने के बाद, वह दिसंबर 2025 में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में शामिल हो गए।

बालेंद्र शाह अब नेपाल में राजनीतिक बदलाव और सुशासन के एक प्रमुख युवा चेहरे के रूप में उभरे हैं। चुनाव में झापा-5 निर्वाचन क्षेत्र से वह पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सीधी चुनौती दे रहे हैं। 74 वर्षीय और चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके ओली कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल-यूएमएल के नेता हैं। ओली नेपाल के सबसे अनुभवी और सियासी ध्रुवीकरण करने वाले प्रमुख नेताओं में से एक हैं। किशोरावस्था में ही वह अंडरग्राउंड कम्युनिस्ट गतिविधियों से जुड़ गए थे। 1973 में राजशाही के खिलाफ अभियान चलाने के कारण उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था और

उन्होंने अपनी जिंदगी के 14 साल जेल में बिताए, जिनमें से 4 साल एकांतवास वाली जेल (सॉलिटरी कन्फाइनमेंट) में थे। सियासी सफर- लगभग छह दशकों के राजनीतिक करियर में वह चार बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उनके आलोचक उन पर सत्तावादी होने और असहमति बर्दाश्त न करने का आरोप लगाते हैं, जबकि उनके समर्थक उन्हें मजबूत और राष्ट्रवादी नेता मानते हैं, जिसने भारत और चीन के साथ संबंधों को ठीक से साधा है। सितंबर 2025 के प्रदर्शनों के दौरान 77 लोगों की मौत का आरोप उन पर लगा था, हालांकि वह इसे नकारते हुए हिंसा के लिए घुसपैठियों को जिम्मेदार ठहराते हैं। इसी युवा आंदोलन के कारण उन्हें सत्ता से बेदखल होना पड़ा था, लेकिन वह अपनी पार्टी के सबसे बड़े दल के रूप में उभरने और एक बार फिर से प्रधानमंत्री पद पर वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।

गगन थापा का जन्म 1976 में हुआ था। 1990 में पूर्ण राजशाही के खिलाफ हुए लोकतंत्र समर्थक आंदोलन के दौरान एक किशोर के रूप में ही उनका झुकाव राजनीति की ओर हो गया था। सियासी सफर- उन्होंने %नेपाली कांग्रेस% से जुड़ी छात्र राजनीति के जरिए अपनी जगह बनाई और 2006 के उस ऐतिहासिक जन-आंदोलन का प्रमुख चेहरा बने, जिसने राजा को सत्ता छोड़ने पर मजबूर कर दिया था। विरोध प्रदर्शनों के कारण कई बार जेल जा चुके थापा जब नेपाल की संसद में पहुंचे, तो वह वहां के सबसे कम उम्र के सदस्यों में से एक थे। वह नेपाल के स्वास्थ्य मंत्री भी रह चुके हैं। जनवरी 2026 में उन्होंने शेर बहादुर देउबा के खिलाफ पार्टी के भीतर विद्रोह का नेतृत्व किया।

इंग्लैंड को 7 रन से हराया; सैमसन ने 89 रन बनाए, बेथेल का शतक बेकार

भारत चौथी बार टी-20 वर्ल्डकप के फाइनल मे

मुंबई। भारत ने चौथी बार टी-20 वर्ल्डकप के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। टीम ने गुरुवार को दूसरे सेमीफाइनल मैच में इंग्लैंड को 7 रन से हराया। टीम 2007, 2014, 2024 में भी फाइनल तक पहुंच चुकी है।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में इंग्लैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। टीम इंडिया ने 20 ओवर में 7 विकेट खोकर 253 रन बनाए। 254 रन चेज कर रही इंग्लैंड की टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 246 रन ही बना सकी।

जैकब बेथेल ने 48 बॉल पर 105 रन की पारी खेली। लेकिन, अपनी टीम को फाइनल में नहीं पहुंचा सके। मैच का स्कोरबोर्ड

संजू सैमसन ने फिफ्टी लगाई, भारत 253/7

भारतीय टीम की ओर से संजू सैमसन ने 89 रन की पारी खेली। जबकि शिवम दुबे ने 43 रन बनाए। ईशान किशन ने 39, हार्दिक पंड्या ने 27 और तिलक वर्मा ने 21 रन का योगदान दिया। इंग्लैंड से विल जैक्स और आदिल रशीद ने 2-2 विकेट झटके। एक विकेट जोफ्रा आर्चर को मिला। 2 बैटर्स रनआउट हुए।

बेथेल ने 50+ की दो साझेदारियां की

नंबर-4 पर बैटिंग करने उतरे जैकब बेथेल ने एक छोर से पारी संभाले रही। उन्होंने 48 बॉल पर 105 रन बनाए। बेथेल ने 3 अहम साझेदारियां की। उन्होंने टॉम बैंटन के साथ चौथे विकेट के लिए 10 बॉल पर 31 रन, विल जैक्स के साथ 5वें विकेट के लिए 39 बॉल पर 77 और सैम करन के साथ छठे विकेट के लिए 27 बॉल पर 50 रन की साझेदारी की। लेकिन, 20वें ओवर की पहली बॉल पर रनआउट होने के बाद इंग्लैंड की टीम हार गई।

भारत ने टी-20 वर्ल्डकप में दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बनाया

भारत ने टी-20 वर्ल्डकप में अपना दूसरा सबसे बड़ा स्कोर बना लिया। टीम इंडिया का सबसे बड़ा स्कोर रिकॉर्ड 256 रन है। जोकि टीम ने इस वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे के खिलाफ सुपर-8 मैच में बनाया था। ओवरऑल टी-20 वर्ल्ड कप में यह चौथा सबसे बड़ा स्कोर रहा। श्रीलंका के नाम टी-20 वर्ल्ड कप में हाईएस्ट टोटल का रिकॉर्ड हैं, टीम ने केन्या के खिलाफ 2007 में 260 रन बनाए थे।

इंग्लैंड की खराब शुरुआत, बेथेल का शतक बेकार

254 रन का टारगेट चेज कर रही इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। टीम ने पावरप्ले में 68 रन बनाने में टॉप-3 विकेट गंवा दिए थे। वरुण चक्रवर्ती ने जोस बटलर (25 रन), जसप्रीत बुमराह ने हैरी ब्रूक (7 रन) और हार्दिक पंड्या ने फिल सॉल्ट (5 रन) को पवेलियन की राह दिखाई।

टी-20 वर्ल्ड कप के हाईएस्ट टोटल

स्कोर	टीम	विरोधी	जगह	साल
260/6	श्रीलंका	केन्या	जोहान्सबर्ग	2007
256/4	भारत	जिम्बाब्वे	चेन्नई	2026
254/6	वेस्टइंडीज	जिम्बाब्वे	मुंबई	2026
253/7	भारत	इंग्लैंड	मुंबई	2026
235/5	आयरलैंड	ओमान	कोलंबो	2026

ब्रीफ न्यूज

पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने वाली जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम से मिले आईसीसी प्रमुख जय शाह

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) अध्यक्ष जय शाह ने पहली बार रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने पर जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर उन्हें शानदार प्रदर्शन पर बधाई दी है। जम्मू-कश्मीर ने खिताबी मुकाबले में आठ बार की विजेता कर्नाटक को हराकर सभी को हैरान कर दिया है। वहीं इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने भी जम्मू-कश्मीर क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात कर जीत की तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, रणजी ट्रॉफी में जम्मू और कश्मीर की जीत दिखाती है कि राज्य में क्रिकेट आगे बढ़ रहा है जो गर्व की बात है। अपनी यादगार जीत के बाद, खिलाड़ियों ने आईसीसी अध्यक्ष जय शाह से मिलने और उनके साथ यह खास पल साझा करने की इच्छा भी जताई थी। तब खिलाड़ियों ने बीसीसीआई सचिव रहते शाह के जम्मू-कश्मीर क्रिकेट के लिए किए गए कार्यों की भी प्रशंसा की थी। बीसीसीआई ने जम्मू-कश्मीर टीम को उसके इस सफलता पर बधाई दी। साथ ही जीतने वाली टीम से मिलने के लिए शाह को धन्यवाद दिया।

अपने ही दामाद पर भड़के शाहिद अफरीदी

लाहौर। पाकिस्तान की टीम का जिस प्रकार से टी20 वर्ल्ड कप 2026 में खराब प्रदर्शन रहा है उससे पूर्व क्रिकेटर भड़के हुए हैं। पूर्व दिग्गजों ने टीम की रणनीति के साथ ही कप्तानी और खिलाड़ियों के कमजोर प्रदर्शन पर सवाल उठाये हैं। टीम के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने तेज गेंदबाज शाहीन शाह अफरीदी को भी खराब प्रदर्शन के लिए आड़े हाथों लिया है। शाहीन जबकि उनके दामाद हैं। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में किसी भी टीम के खिलाफ बड़ी जीत नहीं दर्ज कर पाया। । सुपर-8 के मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ उसे बड़ी जीत चाहिये थी पर टीम मामूली अंतर से जीती और इस कारण सेमीफाइनल की रेस से बाहर हो गयी। इस मैच में अंतिम ओवर में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज शाहीन से कसी हुई गेंदबाज की उम्मीद थी पर उन्होंने 22 रन दे दिये। इससे भी शाहिद खासे नाराज हैं। उन्होंने कहा कि शाहीन को इतने साल में ये समझ आ जानी चाहिए कि दबाव की स्थिति में कैसे गेंदबाजी करनी है। दांये हाथ के बल्लेबाज के सामने वाइड यॉर्कर डालना एशियाई पिचों पर फायदेमंद नहीं रहता है। अफरीदी ने यह भी कहा कि शाहीन बार-बार एक ही गलती दोहरा रहे हैं। उनका मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हुए खिलाड़ियों को इन बातों की समझ होनी चाहिए। वहीं पाक बोर्ड भी खिलाड़ियों के प्रदर्शन से बेहद नाराज बताया जा रहा है और ऐसे में टीम में कई बदलाव होने तय है। ।

पाकिस्तानी खिलाड़ी की शर्मनाक हरकत, महिला स्टाफ के साथ की बदतमीजी

कोलंबो। श्रीलंका के कैंडी में एक होटल में रहने के दौरान एक पाकिस्तानी खिलाड़ी ने महिला स्टाफ के साथ बदतमीजी की। घटना के बाद टीम मैनेजर ने खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया। यह घटना मेजबान श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान के आखिरी सुपर 8 मैच से पहले हुई थी। पाकिस्तान क्रिकेट टीम का टी20 विश्व कप में बेहद निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। टीम सुपर-8 से आगे नहीं जा सकी। विश्व कप से बाहर होने के बाद पाकिस्तान क्रिकेट टीम स्वदेश लौट चुकी है। इसी बीच एक ऐसी खबर आई है जिसने फील्ड पर लगातार शर्मनाक प्रदर्शन कर रही पाकिस्तान क्रिकेट टीम की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, श्रीलंका के कैंडी में एक होटल में रहने के दौरान एक पाकिस्तानी खिलाड़ी ने महिला स्टाफ के साथ बदतमीजी की। घटना के बाद टीम मैनेजर ने खिलाड़ी पर जुर्माना लगाया। यह घटना मेजबान श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान के आखिरी सुपर 8 मैच से पहले हुई थी। टेलीकॉम एशिया स्पोर्ट के मुताबिक, 'श्रीलंका के खिलाफ पाकिस्तान के आखिरी सुपर 8 मैच से पहले, पाकिस्तान वर्ल्ड कप टीम के एक खिलाड़ी ने एक महिला हाउसकीपिंग स्टाफ के साथ बदतमीजी की। ''स्टाफ ने मदद के लिए आवाज लगाई। होटल के दूसरे स्टाफ ने महिला स्टाफ की रक्षा की और मामले की जानकारी पाकिस्तान टीम के मैनेजर नवेद चीमा को दी। गोल्डन क्राउन होटल का टॉप मैनेजमेंट चाहता था कि इस मामले को सख्ती से निपटा जाए, लेकिन चीमा ने खिलाड़ी की तरफ से माफी मांगी और उस पर गलत व्यवहार के लिए जुर्माना लगाया।

इब्राहिम जादरान अफगानिस्तान के नए टी-20 कप्तान बने

राशिद खान की जगह लेंगे; श्रीलंका के खिलाफ सीरीज के लिए टीम का ऐलान

अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इब्राहिम जादरान को टी-20 इंटरनेशनल टीम का नया कप्तान नियुक्त किया है। जादरान स्टार स्पिनर राशिद खान की जगह ली है। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने श्रीलंका के खिलाफ आगामी टी-20 और वनडे सीरीज के लिए गुरुवार को अपनी टीमें घोषित कर दीं।

बोर्ड के मुताबिक, जादरान अब टी-20 फॉर्मेट में टीम की अगुआई करेंगे और उनकी कप्तानी का पहला असाइनमेंट श्रीलंका के खिलाफ सीरीज होगी।

जादरान उपकप्तान भी रह चुके

राशिद खान लंबे समय से अफगानिस्तान की टी-20 टीम की कप्तानी कर रहे थे, लेकिन हाल ही में हुए टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम के प्रदर्शन के बाद कप्तानी में बदलाव किया गया है। जादरान हाल के सालों में अफगानिस्तान के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाजों में रहे हैं और पहले टीम के उपकप्तान भी रह चुके हैं।

13 मार्च से शुरू होगी सीरीज

13 मार्च को होने वाले पहले मैच से टी-20 मुकाबले से सीरीज की शुरुआत हो होगी। सीरीज का दूसरा और तीसरा टी-20 मैच15 और 17 मार्च को खेले जाएंगे। टी-20 सीरीज के तीनों मैच शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में खेले जाएंगे। इसके बाद 20 मार्च को होने वाले मुकाबले से वनडे सीरीज की शुरुआत होगी।

अफगानिस्तान की टी-20 और वनडे टीम

टी-20 टीम: इब्राहिम जादरान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), नूर रहमान (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, शाहिदुल्लाह कमाल, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, शराफुद्दीन अशरफ, राशिद खान, नूर अहमद, मुजीब उर रहमान, जिया उर रहमान, फरीद अहमद मलिक और अब्दुल्ला अहमदजई। रिजर्वः नांग्याल खारोटी, बिलाल सामी और इजाज अहमदजई।

वनडे टीम: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उपकप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल, इब्राहिम जादरान, सेदिकुल्लाह अटल, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, राशिद खान, नांग्याल खरोटी, गजनफर, जिया उर रहमान शरीफी, फरीद अहमद मलिक और बिलाल समी। रिजर्वः कैस अहमद, मोहम्मद सलीम सफी और बशीर अहमद।

EPL- न्यूकैसल ने 10 खिलाड़ियों से मैनचेस्टर यूनाइटेड को हराया

मुंबई। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबॉल में गुरुवार रात बड़े उलटफेर देखने को मिले। न्यूकैसल ने 10 खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए मैनचेस्टर यूनाइटेड को हरा दिया। जोआओ पेड्रो की हैट्रिक से चेल्सी ने एस्टन विला को 4-1 से हराया। आर्सनल ने टूर्नामेंट में 20वीं जीत से नंबर-1 पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली। वहीं नॉटिंघम फॉरेस्ट ने 10 बार की चैंपियन मैनचेस्टर सिटी को ड्रॉ पर रोक दिया।

मैनचेस्टर यूनाइटेड की छठी हार

न्यूकैसल के सेंट जेम्स पार्क में बेहद रोमांचक मुकाबला खेला गया। फर्स्ट हाफ के इंजरी टाइम में जैकब रेम्सी 2 यलो कार्ड मिलने के कारण मैच से बाहर हो गए। 10 प्लेयर्स के बावजूद टीम ने 2-1 से मैच जीता और पॉइंट्स टेबल में 12वां स्थान हासिल कर लिया। इस हार के बाद मैनचेस्टर यूनाइटेड तीसरे नंबर पर ही मौजूद है। 45+6 मिनटः न्यूकैसल के एंथनी गॉर्डन ने पेनल्टी को गोल में बदला और टीम को 1-0 से आगे कर दिया। 45+9 मिनटः यूनाइटेड के कैसेमिरो ने हेडर से गोल दागा और यूनाइटेड को बराबरी दिला दी। हाफ टाइम तक स्कोर 1-1 रहा। 90वां मिनटः न्यूकैसल के विलियम ओसुला ने आखिरी मिनट में गोल किया और अपनी टीम को रोमांचक जीत दिला दी।

चेल्सी की एस्टन विला पर डोमिनेटिंग जीत

बर्मिंघम के विला पार्क में चौथे और पांचवें नंबर की टीम के बीच रोमांचक मुकाबले के उम्मीद थी, लेकिन चेल्सी ने 4-1 के अंतर से एकतरफा मैच जीत लिया।

रेणुका सिंह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट से बाहर

दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट से पहले इंडिया विमेंस ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को वर्कलोड मैनेजमेंट के कारण आराम दे दिया। उनकी जगह ऑलरांडर काशवी गौतम को टीम में जगह मिली। काशवी वनडे सीरीज का भी हिस्सा थीं।

लगातार क्रिकेट खेल रही थीं रेणुका

मेडिकल टीम ने बीसीसीआइ से कहा कि रेणुका लगातार क्रिकेट खेल रही हैं। विमेंस प्रीमियर लीग के बाद उन्होंने टीम के लिए सभी मैच खेले। फिटनेस और टी-20 वर्ल्ड कप को देखते हुए उन्हें टेस्ट से आराम दे देना चाहिए। बीसीसीआई ने कहा, 'पर्थ के वाका में होने वाले पिंक-बॉल टेस्ट के लिए रेणुका उपलब्ध नहीं रहेंगी। उनके वर्कलोड को बेहतर मैनेज करने के लिए यह फैसला लिया गया। मेडिकल टीम उनकी फिटनेस पर लगातार नजर रखेगी। ' रेणुका ने टी-20 और वनडे सीरीज में पूरे मैच खेले

इंडिया विमेंस फिलहाल ऑस्ट्रेलिया में मल्टी फॉर्मेट सीरीज खेलने के लिए गई हैं। रेणुका ने 3 टी-20 में 4 विकेट लिए, वहीं 3 वनडे में वे 2 विकेट ही अपने नाम कर सकीं। भारत ने टी-20 सीरीज 2-1 से जीती। वनडे सीरीज ऑस्ट्रेलिया ने 3-0 से जीती। ऑस्ट्रेलिया में विमेंस क्रिकेट सीरीज में हर मैच के अलग-अलग पॉइंट्स होते हैं। व्हाइट बॉल मैच जीतने पर 2 पॉइंट्स मिलते हैं।

पर्थ में महिला एशिया कप फुटबॉल में खेलती हुई महिला खिलाड़ी।

एलन ने सबसे तेज सेंचुरी लगाईः न्यूजीलैंड का फास्टेस्ट 150+ रनचेज

न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराया

कोलकाता। कोलकाता के ईडन गार्डन्स में न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को 9 विकेट से हराकर दूसरी बार टी-20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह बना ली। साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 विकेट पर 169 रन बनाए, लेकिन कीवी टीम ने 170 रन का लक्ष्य सिर्फ 12.5 ओवर में एक विकेट खोकर हासिल कर लिया। फिन एलन ने 33 गेंदों में नाबाद 100 रन की पारी खेली और टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे तेज शतक भी अपने नाम कर लिया।

रबाडा के बोल्ड से बेल्स बाउंड्री के पास पहुंची

वहीं, टी-20 इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे तेज सेंचुरी जड़ने का वर्ल्ड रिकॉर्ड एस्टोनिया के साहिल चौहान के नाम दर्ज है। उन्होंने साल 2024 में साइप्रस के खिलाफ 27 गेंदों में शतक लगाया था। उनके बाद तुर्किए के मुहम्मद फहाद हैं। फहद ने 2025 में बुल्गारिया के खिलाफ 29 गेंदों में शतक बनाया था। एलन की टी-20 वर्ल्ड कप नॉकआउट में सबसे बड़ी पारी फिन एलन ने सेमीफाइनल में नाबाद 100 रन बनाकर टी-20 वर्ल्ड कप नॉकआउट मुकाबलों की सबसे बड़ी पारी खेली। इससे पहले यह रिकॉर्ड श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलशान के नाम था, जिन्होंने 2009 के सेमीफाइनल में नाबाद 96 रन बनाए थे।

सबसे तेज टी-20 वर्ल्ड कप शतक

खिलाड़ी	गेंद	मैच	तारीख
फिन एलन	33	न्यूजीलैंड vs सा. अफ्रीका	04 मार्च 2026
क्रिस गेल	47	वेस्टइंडीज vs इंग्लैंड	16 मार्च 2016
क्रिस गेल	50	वेस्टइंडीज vs सा. अफ्रीका	11 सितंबर 2007
हैरी ब्रुक	50	इंग्लैंड vs पाकिस्तान	24 फरवरी 2026

एलन ने सबसे तेज टी-20 वर्ल्ड कप सेंचुरी लगाई

न्यूजीलैंड के फिन एलन ने टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास की सबसे तेज सेंचुरी लगाई। उन्होंने साउथ अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता में 33 गेंदों में शतक बनाया। इससे पहले यह रिकॉर्ड वेस्टइंडीज के क्रिस गेल के नाम था, जिन्होंने 2016 में 47 गेंदों में शतक लगाया था। एलन टी-20 वर्ल्ड कप में न्यूजीलैंड के लिए शतक लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज भी बने। उनसे पहले ब्रेंडन मैक्कुलम ने 2012 में और ग्लेन फिलिप्स ने 2022 में यह उपलब्धि हासिल की थी।

न्यूजीलैंड का सबसे तेज 150+ रनचेज

न्यूजीलैंड ने 150 से ज्यादा रन का लक्ष्य 43 गेंद बाकी रहते हासिल किया, जो टी-20 वर्ल्ड कप इतिहास में गेंदें बाकी रहने के हिसाब से सबसे तेज सफल रनचेज है। इससे पहले यह रिकॉर्ड स्कॉटलैंड के नाम था, जिसने 2024 में ओमान के खिलाफ 41 गेंद शेष रहते लक्ष्य हासिल किया था।

प्रति माह राजस्व विभाग को लग रहा लाखों का चूना, सेंद्री में अवैध ईट भट्ठों का काला कारोबार खुलेआम, जिम्मेदार अधिकारी मेहरबान

वन विभाग व पर्यावरण विभाग के बाद अब खनिज विभाग जिले में बना चर्चा का विषय

सक्ति/ हसौद/मूक पत्रिका

सक्ती जिले में जिम्मेदार विभागीय अधिकारियों के रवैयों को इन दिनों देख कर ऐसा लगने लगा है की वर्तमान छत्तीसगढ़ सरकार की शुसासित नीतियों का कोई असर जिले में पड़ता नजर नहीं आ रहा है। चाहे बात वन पर्यावरण संरक्षण का हो या नदी नालों के समीप नियम विरुद्ध राखड़ पाटने का मामला हो या फिर अवैध ईंट भट्ठे का काला कारोबार हो, जिले के जिम्मेदार अधिकारी इन अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने में असफल साबित हो रहे हैं।बीते कुछ हफ्तों में सक्ती जिले से कई ऐसे मामले सामने निकल कर आए जो समाचार पत्रों में सक्ति जिले के नाम पर सुर्खियां बटोरा लेकिन दुर्भाग्य वश स्थानीय जिम्मेदार अधिकारियों का रवैया जस का तस रहा है। यहां अवैध मामलों को लेकर जिम्मेदार सक्षम अधिकारी सिर्फ कागज़ों पर लीपा पोती करते नजर आ रहे हैं। जिससे स्पष्ट तौर पर अंदाज लगाया जा रहा है कि जिले के ब्लॉक स्तर में मिलीभगत और साठगांठ का जाल किस तरह फैला हुआ है। जिसके कारण जिले में अवैध कारोबारों में लिप्त लोगों के हौसले बुलंद होते जा रहा है। जिला प्रशासन वन पर्यावरण हो या फिर खनिज संपदा को हनन कर क्षति पहुँचाने वाले कारोबारियों के विरुद्ध कार्रवाई करने पर शून्य साबित हो रहे हैं। यहाँ स्थानीय जिम्मेदार प्रशासन के अधिकारियों के कार्यशैली लगातार जनमुख पर आरोपों के सवालों से घेरे में नजर आ रहे हैं। बता दे पूरा मामला सक्ती जिले के हसौद तहसील कार्यालय अंतर्गत सेंद्री ग्राम पंचायत से जुड़ा हुआ है जहाँ बीते कई वर्षो से खनिज विभाग एवं राजस्व विभाग के नाक के नीचे अवैध ईट भट्ठों का काला कारोबार खुलेआम चल रहा है और करोड़ों रुपये की राजस्व की हानि हो रही है। जो बिना खनिज विभाग व बिना पर्यावरण विभाग व बिना किसी अनुमति के अवैध तरीके से लाल ईट का निर्माण कर प्रधानमंत्री आवास योजना के नाम पर लाल ईट का निर्माण कर आवास के नाम पर प्रति वर्ष राजस्व विभाग को करोड़ों का व्यापार कर खुलेआम चूना लगाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। तो दूसरी तरफ चौंकाने की बात ये भी है जिस सोन नदी के नीचे घिवारा-सेंद्री मुख्य मार्ग पर अवैध ईट भट्ठों का संचालन अवैध तरीके से हो रहा है वहाँ से प्रतिदिन राजस्व कर्मचारी का आना जाना लगा रहता है परंतु धृतराष्ट्र की भूमिका निभाकर राजस्व विभाग को करोड़ों का नुकसान पहुचाने वाले एवं राजस्व विभाग के आँख में धूल झोंक कर बिना किसी अनुमति के अवैध भट्ठों को संचालित करने वाले संचालकों के इस काले साम्राज्य पर लगाम कसने के बजाय स्थानीय जिम्मेदार भी मेहरबान नजर आ रहे हैं व इस मामले में गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं वो समझ से परे हैं। सूत्रों के मुताबिक बिना किसी अनुमति के निर्माण हो रहें इन अवैध ईट भट्ठों के व्यापारियों के ऊपर स्थानीय तहसील कर्मचारी का भी मिलीभगत का आरोप एवं सवाल लोगों से सुनने को मिला जो आसपास के बताया जा रहा हैं। जिसके चलते अवैध रूप से लाल ईंट निर्माण कर व्यापार कर रहे लोगों पर कोई कार्रवाई नहीं किया जाता है।जबकि सेंद्री में संचालित होने वाले दर्जनों अवैध ईट भट्ठे खनिज विभाग व पर्यावरण विभाग के नियमों को ताक पर रखकर धड़ल्ले से अपने अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे हैं। गांव के ही रसूखदार व्यक्तिओं के द्वारा खनिज विभाग एवं पर्यावरण विभाग नियम क़ानून का उल्लंघन कर अवैध रूप से प्रति वर्ष भारी मात्रा पर लाल ईट का निर्माण कर लाखों करोड़ों रुपए का राजस्व विभाग को चूना लगा रहे है। जिसमें जिम्मेदार अधिकारियों की मौन सहमति बनी हुई है। अब देखना ये होगा की इस अवैध कारोबार का मामला प्रकाशन में आने बाद खनिज विभाग के जिम्मेदार अधिकारी क्या उचित कार्रवाई करते हैं या अन्य मामले की तरह इस मामले को भी सिर्फ़ कागजों पर लीपा-पोती किया जाएगा?

खनिज विभाग से सम्पर्क कर लीजिये उच्चाधिकारियों के आदेश पर फिर टीम बनाकर कार्रवाई करेंगे।

(रविशंकर राठौर)
तहसीलदार हसौद

हमारे पंचायत द्वारा कोई अनुमति नही दी गई है पूर्व की जानकारी हमें नही है।

विजय भारद्वाज
सरपंच पति ग्राम पंचायत सेंदरी

कृषि और पशुधन विभाग के कई कोर्स के प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन 27 मार्च तक आमंत्रित

सारंगढ़-बिलाईगढ़। कृषि और पशुधन विभाग के कई कोर्स जैसे बीई/बी.टेक, बी.टेक (कृषि इंजीनियरिंग), बी.टेक (खाद्य प्रौद्योगिकी), बी.टेक (डेयरी प्रौद्योगिकी), डेयरी प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा की पढ़ाई के लिए आयोजित पशु चिकित्सा प्रवेश परीक्षा (पेट इंट्रेंस एग्जाम) 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन इच्छुक युवा सीजी व्यापम की वेबसाईट में 27 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं। राज्य के 33 जिला मुख्यालयों में परीक्षा केंद्र होंगे। अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन करते समय परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से किया जावेगा छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासी अभ्यर्थी जो परीक्षा में उपस्थित होते हैं उनका परीक्षा शुल्क व्यापन द्वारा वापस कर दिया जावेगा। परीक्षा शुल्क उसी बैंक खाता में वापस किया जावेगा जिस बैंक खाता से अभ्यर्थी ने ऑनलाइन आवेदन परीक्षा शुल्क का भुगतान किया है।

कांग्रेस संगठन में युवा नेतृत्व को बढ़ावा, कुसमी के तीन नेताओं को जिला स्तर पर अहम जिम्मेदारी

नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र भगत बने जिला उपाध्यक्ष, मुजस्सम नजर (राजू) जिला महामंत्री और संतोष इंजीनियर को जिला सचिव का दायित्व

कुसमी /मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस संगठन ने एक अहम कदम उठाते हुए युवा नेतृत्व को आगे बढ़ाया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज के अनुमोदन के बाद 2 तारीख को जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर में संगठनात्मक विस्तार किया गया है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव द्वारा जारी आदेश के अनुसार संगठन को और अधिक सशक्त एवं सक्रिय बनाने के उद्देश्य से नई नियुक्तियां की गई हैं। जारी सूची के अनुसार ब्लॉक कुसमी से सक्रिय कांग्रेस नेता एवं नगर पंचायत अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद भगत को जिला उपाध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया है। राजेंद्र भगत लंबे समय से कांग्रेस संगठन से जुड़े हुए हैं और कुसमी नगर में वरिष्ठ नेता के रूप में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। वर्तमान में वे नगर पंचायत अध्यक्ष के पद पर भी कार्यरत हैं। वहीं कुसमी के युवा नेता मुजस्सम नजर (राजू) को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई है। वर्तमान में वे युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं और इससे पहले युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष के पद पर भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। जिले से लेकर प्रदेश स्तर तक युवा नेता के रूप में उनकी पहचान बनी हुई है। इसके अलावा संतोष इंजीनियर को जिला सचिव पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वे वर्तमान में कुसमी सरपंच संघ के अध्यक्ष हैं और कांग्रेस संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहते हुए विभिन्न पदों पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। क्षेत्र में उन्हें एक सक्रिय आदिवासी नेता के रूप में भी जाना जाता है।

जिला उपाध्यक्ष बनाए जाने पर राजेंद्र प्रसाद भगत ने खुशी जाहिर करते हुए कहा-प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज, टी.एस. सिंहदेव (बाबा), जिला अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव और कुसमी ब्लॉक अध्यक्ष हरीश मिश्रा सहित सभी वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी उन्हें सौंपी है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करेंगे।

जिला अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव ने बताया कि-संगठन विस्तार का उद्देश्य जमीनी स्तर पर पार्टी की पकड़ को मजबूत करना तथा आगामी कार्यक्रमों और अभियानों को प्रभावी ढंग से संचालित करना है। नव-नियुक्त पदाधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे पार्टी की नीतियों और विचारधारा को आमजन तक पहुंचाते हुए संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे।नियुक्ति की घोषणा के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने नव-नियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन को और अधिक मजबूत बनाने का विश्वास जताया है।

सामरी का वाटर एटीएम बना शोपीस, तीन महीने से खराब, जनता को नहीं मिल रहा साफपानी

हिंडाल्को द्वारा लगाया गया वाटर एटीएम बंद, सामरी की जनता परेशान

सामरी /मूक पत्रिका

सामरी पाठ क्षेत्र में हिंडाल्को कंपनी द्वारा जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से लगाया गया वाटर एटीएम इन दिनों केवल शोपीस बनकर रह गया है। जानकारी के अनुसार यह वाटर एटीएम लगभग तीन महीनों से खराब पड़ा हुआ है, जिसके कारण सामरी की जनता को शुद्ध पानी नहीं मिल पा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है, कि यह वाटर एटीएम अक्सर खराब हो जाता है। कभी मशीन में पानी नहीं रहता तो कभी वायरिंग की समस्या सामने आती है। कई बार मशीन के तार टूट जाने की भी शिकायत सामने आई है। वर्तमान समय में भी यह वाटर एटीएम बंद पड़ा है। जिससे लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताया जाता है, कि सामरी की जनता की सुविधा के लिए हिंडाल्को कंपनी द्वारा यह वाटर एटीएम लगाया गया था, लेकिन नियमित देखरेख और मरम्मत के अभाव में यह मशीन अधिकतर समय बंद ही रहती है।

सामरी बीडीसी संतोष सिंह ने इस सम्बन्ध में कहा -की मै हिंडालको के अधिकारियों से मांग करता हु, की जल्द से जल्द सुधार करके चालू करे। ताकि आने वाले गर्मी में लोगों को इसकी सुविधा मिल सके इस संबंध में हिंडाल्को के सीएसआर प्रमुख विजय मिश्रा से बात करने की कोशिश की गई। उन्होंने कहा कि आपके माध्यम से ही यह जानकारी प्राप्त हो रही है, मैं इस मामले को दिखवाता हूं। स्थानीय लोगों ने मीडिया के माध्यम से मांग की है, कि जल्द से जल्द वाटर एटीएम को दुरुस्त कराया जाए, ताकि सामरी की जनता को शुद्ध पेयजल की सुविधा मिल सके।

एमएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा के लिए 27 मार्च तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़-बिलाईगढ़। शैक्षणिक सत्र 2026 में एमएससी नर्सिंग कोर्स में दाखिला के लिए आयोजित एमएससी नर्सिंग प्रवेश परीक्षा का ऑनलाइन आवेदन इच्छुक युवा सीजी व्यापम की वेबसाईट में 27 मार्च 2026 तक जमा कर सकते हैं।बिलासपुर एवं रायपुर में परीक्षा केंद्र होंगे। अभ्यर्थी द्वारा ऑनलाइन आवेदन करते समय परीक्षा शुल्क का भुगतान ऑनलाइन पद्धति से किया जावेगा छत्तीसगढ़ शासन के नियमानुसार छत्तीसगढ़ राज्य के स्थानीय निवासी अभ्यर्थी जो परीक्षा में उपस्थित होते हैं उनका परीक्षा शुल्क व्यापन द्वारा वापस कर दिया जावेगा। परीक्षा शुल्क उसी बैंक खाता में वापस किया जावेगा जिस बैंक खाता से अभ्यर्थी ने ऑनलाइन आवेदन परीक्षा शुल्क का भुगतान किया है।

अधिकारियों पर तानाशाही का आरोप : वन कर्मचारियों की समस्याएं बनीं मुख्य मुद्दा, समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन की चेतावनी..

सारंगढ़-बिलाईगढ़/मूक पत्रिका

छत्तीसगढ़ वन कर्मचारी संघ जिला शाखा सारंगढ़-बिलाईगढ़ की बैठक में इस बार सम्मान समारोह से ज्यादा चर्चा कर्मचारियों की लंबित समस्याओं और उनके समाधान पर केंद्रित रही। संघ ने साफ शब्दों में कहा कि यदि जल्द ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो संगठन आंदोलन का रास्ता अपनाने को बाध्य होगा। कार्यक्रम में प्रांताध्यक्ष अजित दुबे सहित प्रांतीय और संभागीय पदाधिकारी मौजूद रहे। मंच के माध्यम से कर्मचारियों ने अपनी समस्याएं विस्तार से रखीं और त्वरित समाधान की मांग की।

मानसिक दबाव और कार्रवाई का भय-कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि उच्च अधिकारियों द्वारा बिना ठोस कारण के दबाव बनाया जा रहा है। बार-बार कार्रवाई की चेतावनी और दंडात्मक कदमों से कर्मचारियों का मनोबल गिर रहा है, जिसका सीधा असर विभागीय कार्यों पर पड़ रहा है। संघ ने मांग की कि अनावश्यक प्रताड़ना बंद कर स्वस्थ कार्य वातावरण बनाया जाए।

बिना जांच वेतन वृद्धि रोकने पर आपत्ति-संघ ने कई मामलों में बिना समुचित स्थल जांच और एकपक्षीय रिपोर्ट के आधार पर वेतन वृद्धि रोकने जैसी कार्रवाई पर आपत्ति जताई। परिसर रक्षक और वनपाल स्तर के कर्मचारियों के खिलाफ की गई ऐसी कार्रवाइयों की निष्पक्ष जांच कर पुनर्विचार करने की मांग की गई है। संघ का कहना है कि किसी भी दंडात्मक कदम से पहले मौके का सत्यापन और कर्मचारियों का पक्ष सुनना जरूरी है।

मनरेगा और वृक्षारोपण कार्य में वसूली पर पुनर्विचार-मनरेगा मद अंतर्गत कराए गए वृक्षारोपण कार्यों में एकपक्षीय जांच के आधार पर वसूली की प्रक्रिया शुरू किए जाने पर भी नाराजगी जताई गई। कर्मचारियों ने कहा कि परियोजना अवधि कोरोना काल से प्रभावित रही, फिर भी कार्य किया गया। ऐसे मामलों में वास्तविक स्थिति का आकलन कर न्यायपूर्ण निर्णय लिया जाए।

स्टाफ की कमी और अतिरिक्त प्रभार-वनमंडल में कर्मचारियों की भारी कमी बताई गई। एक-एक कर्मचारी को दो से तीन परिसरों का प्रभार दिया जा रहा है, जिससे कार्य प्रभावित हो रहा है। संघ ने रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति और संतुलित पदस्थापना की मांग की। बिलाईगढ़ वन परिक्षेत्र में कई बीट प्रभारी अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। संघ ने उच्च स्तर पर पत्राचार कर बीएफओ की नियुक्ति सुनिश्चित करने की मांग की है।

सुरक्षा और संसाधनों की मांग-मैदानी अमले ने बताया कि बीएफओ को दिन-रात अकेले गश्त करनी पड़ती है। अपराधियों और वन्यजीवों से खतरा बना रहता है। संघ ने प्रत्येक बीट में एक चौकीदार या गार्ड देने की मांग की। साथ ही जीपीएस, टॉर्च और पानी की बोतल जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की भी मांग रखी गई।

प्रशासनिक पारदर्शिता और सुविधाएं-संघ ने कहा कि केवल व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से आदेश जारी कर जवाब न देने पर कार्रवाई की चेतावनी देना उचित नहीं है। आधिकारिक माध्यम से संवाद हो।

इसके अलावा मांग की गई कि - गोपनीय प्रतिवेदन की प्रमाणित प्रति समय पर दी जाए।

- विभागीय स्वीकृति आदेश और परियोजना प्रतिवेदन की प्रति संबंधित कर्मचारियों को उपलब्ध कराई जाए।
- सभी कर्मचारियों के पहचान पत्र बनाए जाएं
- सेवा पुस्तिका की प्रति दी जाए।
- समयमान वेतनमान, लंबित वेतन और चिकित्सा प्रतिपूर्ति का शीघ्र भुगतान किया जाए।
- सेवानिवृत्ति से पहले पेंशन प्रकरण की प्रक्रिया पूरी की जाए।

संयुक्त निरीक्षण के बाद ही अतिक्रमण कार्रवाई-संघ ने यह भी कहा कि वन सीमा को केवल केएमएल आधार पर अवैध अतिक्रमण मानकर कार्रवाई का दबाव बनाना उचित नहीं है। वन और राजस्व विभाग के संयुक्त निरीक्षण के बाद ही किसी प्रकार की कार्रवाई हो।

समाधान नहीं तो आंदोलन-प्रांताध्यक्ष अजित दुबे ने आश्वासन दिया कि समस्याओं पर वनमंडलाधिकारी से चर्चा कर समाधान का प्रयास किया जाएगा। वहीं जिलाध्यक्ष हीरालाल चौधरी ने कहा कि यदि समय रहते सुधार और निराकरण नहीं हुआ तो संघ चरणबद्ध आंदोलन करेगा। बैठक में साफसंदेश दिया गया कि कर्मचारी सम्मान चाहते हैं, लेकिन उससे ज्यादा जरूरी है समस्याओं का व्यावहारिक और स्थायी समाधान।

अवैध ईंट भट्ठे पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 1 लाख कच्ची ईंट और 25 टन कोयला जब्त

संयुक्त टीम की छापेमारी से मचा हड़कंप, एसडीएम के नेतृत्व में अवैध ईंट निर्माण पर कार्रवाई

बलरामपुर/मूक पत्रिका

जिले में अवैध रूप से संचालित ईंट भट्ठों और ईंट निर्माण गतिविधियों पर प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में विकासखंड क्षेत्र में अवैध ईंट निर्माण पर बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 1 लाख कच्ची ईंट और 25 टन अवैध कोयला जब्त किया गया है। इस कार्रवाई से अवैध ईंट निर्माण में लगे लोगों में हड़कंप मच गया। कलेक्टर राजेन्द्र कटारा के निर्देशन में जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसी के तहत अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) विवेक अनमोल टोप्पो के नेतृत्व में राजस्व, खनिज और वन विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की। जांच के दौरान पाया गया कि मथुरा राम के निजी भूमि पर खनिज मिट्टी का अवैध उत्खनन कर ईंट निर्माण किया जा रहा था। साथ ही ईंटों को पकाने के लिए लगभग 25 टन कोयले का उपयोग भी किया जा रहा था। यह पूरा कार्य बिना वैध दस्तावेज और सक्षम अनुमति के संचालित किया जा रहा था। प्रशासन द्वारा मौके पर पहुंचकर लगभग 1 लाख कच्ची ईंटों और 25 टन कोयले को जब्त करते हुए आवश्यक कार्रवाई की गई। अधिकारियों ने बताया कि जिले में अवैध गतिविधियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आशिष कुमार कंठले द्वारा कलयुग का भारत द्वारा अग्रदूत कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, भाजपा कार्यालय के पास, रायपुर, जिला-रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित एवं वार्ड नंबर 18 बाजार पारा बेमेतरा पोस्ट व जिला बेमेतरा छ.ग. पिन कोड 491335 से प्रकाशित । संपादक आशिष कुमार कंठले समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार मो. नं. 7999238079, 7828658259, समस्त विवादों का निपटारा बेमेतरा न्यायालय होगा।